मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 17
बुधवार, 23 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

लोकसभा और राज्यसभा में जमकर हंगामा, दोनों सदनों की कार्यावाही स्थगित

नई दिल्ली, 22 जुलाई। मंगलवार सुबह राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही फिर से शुरू हुई, लेकिन दोनों सदनों में भारी हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने बिहार मतदाता सूची संशोधन के विरोध में नारेबाजी की और विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद दोनों सदनों की कार्यवाही बुधवार, 23 जुलाई सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी सांसदों ने केंद्र के खिलाफ नारे लगाए और कई मुद्दों पर पर चर्चा की मांग की।

विपक्षी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर मंगलवार को संसद के भीतर और बाहर विरोध जताया। विपक्षी सांसदों ने पहले संसद परिसर में प्रदर्शन किया और फिर लोकसभा एवं राज्यसभा में भी इस मुद्दे पर जमकर नारेबाजी की जिससे दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित हुई।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि विपक्ष चर्चा की मांग कर रहे हैं और हम इसके लिए तैयार हैं। फिर वे सदन क्यों नहीं चलने दे रहे? यह दोहरा मापदंड गलत है। अगर आप चर्चा चाहते हैं, तो हंगामा न करें। सरकार ने कहा है कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं। आप जनता का

पैसा बर्बाद कर रहे हैं।

सीमा शुल्क अधिकारियों और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बाजार में अवैध तंबाकू की बिक्री की रोकथाम के लिए चालू वित्त वर्ष में जून तक लगभग 3.93 करोड़ सिगरेट जब्त की है। सरकार ने मंगलवार को संसद को यह जानकारी दी। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया।

राज्यसभा में मंगलवार को उपराष्ट्रपति एवं सभापति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे की आसन की ओर से घोषणा की गयी, जिन्होंने सोमवार रात अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास भेजा था। उच्च सदन की बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर बारह बजे जब शुरू हुई तो पीठासीन अध्यक्ष घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि उन्हें एक आवश्यक सूचना सदन को देनी है। तिवाड़ी ने कहा कि गृह मंत्रालय ने संविधान के अनुच्छेद 67 (ए) के तहत उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के तत्काल प्रभाव से इस्तीफे की 22 जुलाई 2025 को एक अधिसूचना जारी की है। उपराष्ट्रपति पद से धनखड़ के स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद मंगलवार को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने सदन की सुबह की कार्यवाही की अध्यक्षता की।

199 करोड़ रुपये की आयकर मांग पर कांग्रेस को बड़ा झटका, ट्रिब्यूनल ने खारिज कर दी अपील

नई दिल्ली, 22 जुलाई। कांग्रेस पार्टी को झटका देते हुए, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने वर्ष 2017-18 के लिए कर मांग के खिलाफ उसकी अपील खारिज कर दी। पार्टी ने आयकर विभाग के उस नोटिस का विरोध किया था जिसमें उसे 199 करोड़ रुपये से अधिक की आय पर कर चुकाने को कहा गया था। कांग्रेस का दावा था कि यह राशि दान से आई है और इसे कर से मुक्त रखा जाना चाहिए। हालाँकि, पार्टी निर्धारित तिथि तक अपना कर रिटर्न दाखिल करने में विफल रही। आयकर न्यायाधिकरण ने कर अधिकारियों के निर्णय को बरकरार रखते हुए कहा कि पार्टी को उस वित्तीय वर्ष के दौरान प्राप्त दान पर आयकर का भुगतान करना होगा।

कांग्रेस पार्टी ने 2 फरवरी, 2019 को अपना आयकर दाखिल किया और आयकर अधिनियम की धारा 13ए के तहत 199.15 करोड़ रुपये की छूट का दावा करने के बाद शून्य आय घोषित की। हालाँकि, यह आयकर धारा 139 के तहत निर्धारित निर्धारण वर्ष 2018-19 के लिए 31 दिसंबर, 2018 की विस्तारित नियत तिथि के बाद दाखिल किया गया था। सितंबर 2019 में जाँच के दौरान, निर्धारण अधिकारी ने पाया कि पार्टी ने प्रति दानदाता 2,000 रुपये से अधिक 14.49 लाख रुपये नकद दान स्वीकार किए थे, जो धारा 13ए(डी) का उल्लंघन करता है, जिसके अनुसार वित्त अधिनियम 2017 में संशोधन के बाद ऐसे सभी दान बैंकिंग माध्यमों से प्राप्त किए जाने चाहिए। हालांकि कांग्रेस ने 197.43 करोड़ रुपये के व्यय के मुकाबले 199.15 करोड़ रुपये की कुल प्राप्तियां बताईं, जिससे 1.71 करोड़ रुपये का अधिशेष बचा, लेकिन 6 जुलाई, 2021 के मूल्यांकन आदेश ने छूट को पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया, जिससे पूरी राशि कर योग्य हो गई। आयकर आयुक्त (अपील) ने 28 मार्च, 2023 को इस फैसले को बरकरार रखा, जिसके बाद कांग्रेस ने आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) का रुख किया। 2024 में, आयकर न्यायाधिकरण ने अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया और अपने नवीनतम फैसले में, पार्टी की अपील खारिज कर दी।

सिंधिया के प्रयासों से बहाल हुई मुंगावली की संजीवनी क्लिनिक, लोगों को मिलेगी इलाज की सुविधा

अशोकनगर, 22 जुलाई। केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री तथा क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के सक्रिय हस्तक्षेप से मुंगावली की संजीवनी क्लिनिक एक बार फिर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए तैयार है। नगर के मल्हारगढ़ रोड स्थित फिल्टर प्लांट के पास दो वर्ष पूर्व बनी यह क्लिनिक, डॉक्टरों की अनुपलब्धता के कारण अब तक बंद पड़ी थी। स्थिति की जानकारी मिलते ही ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जिला कलेक्टर से चर्चा कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए, जिसके बाद दो चिकित्सकों की नियुक्ति सुनिश्चित की गई।

चिकित्सकों की तैनाती से अब न केवल नगरवासियों को, बल्कि आसपास के गांवों को भी प्राथमिक और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ हो सकेंगी। आकस्मिक जरूरतों की दृष्टि से यह क्लिनिक अब एक भरोसेमंद स्वास्थ्य केंद्र के रूप में कार्य करेगी। वर्षों से लंबित यह सुविधा स्थानीय लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं मानी जा रही है।

सिंधिया द्वारा दिए गए निदेर्शों पर प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए वैकल्पिक व्यवस्था के तहत डॉ. राहुल और मनोज (स्टाफ) की तैनाती की। यह निर्णय न केवल स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करता है, बल्कि प्रशासनिक सजगता और जनप्रतिनिधियों की जनसरोकारों के प्रति संवेदनशीलता का भी प्रमाण है।

बिहार में एसआईआर अभ्यास को लेकर भड़कीं प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 22 जुलाई। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को आगामी विधानसभा चुनावों से पहले बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ कड़ी आपत्ति जताई और सरकार पर लोकतंत्र की हत्या करने का आरोप लगाया। गांधी ने एएनआई से कहा कि वे लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं। हम इसका विरोध कर रहे हैं और यह गलत है। यह बात ऐसे समय में सामने आई है जब भारतीय जनता पार्टी और उसके नेता चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के खिलाफ संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। विपक्षी नेताओं का आरोप है कि लोगों के मताधिकार छीने जा

रहे हैं। प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट करके आरोप लगाया कि पहले महाराष्ट्र में मतदाता सूची में हेराफेरी करके चुनावों में ₹धांधली₹ की गई थी और अब बिहार में मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को मतदान का अधिकार छीनने की साजिश₹ करार दिया। विरोध प्रदर्शन में शामिल गांधी ने कहा पहले महाराष्ट्र में मतदाता सूची में हेराफेरी करके चुनावों में धांधली की गई। अब बिहार में भी मतदाताओं के नाम हटाकर ऐसा ही करने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि एसआईआर की आड़ में लगाया जा रहा 'मतदान प्रतिबंध' संविधान द्वारा प्रदत्त मतदान के अधिकार को छीनने की साजिश है। हम संविधान को कुचलने की हर कोशिश के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव समेत कई नेताओं ने मकर द्वार पर संसद भवन की सीढ़ियों पर खड़े होकर बिहार एसआईआर का विरोध किया और इस प्रक्रिया को रोकने की मांग की।

कई नेता इस संशोधन प्रक्रिया की निंदा करते हुए पोस्टर लिए हुए देखे गए, जिन पर इसे ₹भारतीय अधिकारों की चोरी₹, ₹लोकतंत्र की मृत्यु₹ आदि लिखा था। बिहार एसआईआर का मुद्दा विवादास्पद रहा है और इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने संसद में इस पर चर्चा की मांग की है। इस बीच, कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने बिहार में एसआईआर प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए सरकार और चुनाव आयोग की आलोचना की और आरोप लगाया कि वे वोट काटना चाहते हैं।

तेज हुई जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने की मांग, कांग्रेस ने जंतर-मंतर पर किया प्रदर्शन

कश्मीर, 22 जुलाई। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिले। हम इसके लिए संघर्ष करने को तैयार हैं। कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि भाजपा ने जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ अन्याय किया है और प्रधानमंत्री मोदी हर चुनाव में वादा करते हैं कि वे जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देंगे। लेकिन वे कभी वादा पूरा नहीं करते।

जम्मू-कश्मीर कांग्रेस प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि राज्य की मांग अब जन आंदोलन में बदल गई है। हम सरकार पर जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने के लिए दबाव

डाल रहे हैं। कांग्रेस सांसद (एमपी) के सी वेणुगोपाल ने रविवार को कहा था कि भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन (इंडिया) ब्लॉक संसद के मानसून सत्र में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए प्रयास करेगा। उन्होंने जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा की कथित नजरबंदी और श्रीनगर स्थित पार्टी कार्यालय को सील करने की कड़ी निंदा की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज्य के दर्जे को लेकर पिछले आश्वासनों पर सवाल उठाए। उन्होंने पोस्ट किया, ₹क्या प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने के बारे में झूठ बोला था? अगर नहीं, तो जम्मू-कश्मीर पुलिस ने JKPCC अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा जी और अन्य कांग्रेस नेताओं को क्यों गिरफ्तार किया? इसी पोस्ट में, वेणुगोपाल ने श्रीनगर स्थित प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय को कथित तौर पर बंद करने और पार्टी कार्यकर्ताओं को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने से रोकने के लिए प्रशासन पर भी निशाना साधा।

अस्पताल में रहते हुए भी ड्यूटी जारी रख रहा हूँः एमके स्टालिन

तमिलनाडु, 22 जुलाई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को घोषणा की कि अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद वह अपने सरकारी कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं। स्टालिन ने पर पोस्ट किया कि मैं अस्पताल में रहते हुए भी सरकारी कर्तव्यों का पालन कर रहा हूँ। उन्होंने बताया कि 'स्टालिन विद यू' परियोजना के तहत शिविरों की स्थापना, जिसका उद्देश्य जन शिकायतों का समाधान करना और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुँचाना है, योजना के अनुसार चल रही है।

स्टालिन ने कहा कि स्टालिन विद यू शिविर योजना के अनुसार चल रहे हैं, कल तक कितनी याचिकाएँ प्राप्त हुईं, कितनों का समाधान किया गया - मैंने मुख्य सचिव को ये विवरण एकत्र करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि लोगों की याचिकाओं के समाधान में कोई देरी न हो। इससे पहले, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के स्वास्थ्य पर बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने बताया कि मुख्यमंत्री ठीक हैं और डॉक्टर जल्द ही चिकित्सा संबंधी जानकारी देंगे।

उप-मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, मुख्यमंत्री की हालत में सुधार हो रहा है। आज सुबह कुछ जाँचें की गई हैं। डॉक्टर इस बारे में मेडिकल अपडेट देंगे। कल अस्पताल ने एक बयान जारी कर मुख्यमंत्री को तीन दिन आराम करने को कहा है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

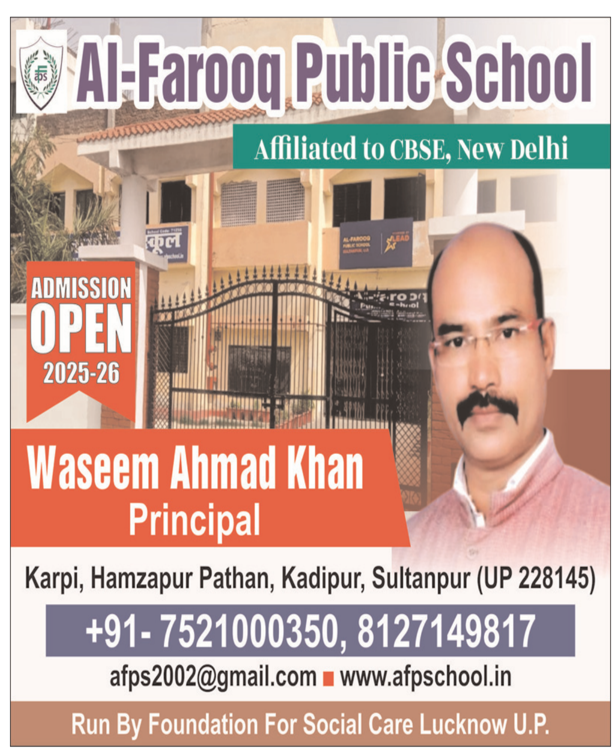

दुनिया की लाखों जिन्दगियां में जहर घोलता अकेलापन

-ललित गर्ग

हर छठा व्यक्ति अकेला है-यह निष्कर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ताजा रिपोर्ट का है, जिसने पूरी दुनिया को चिन्ता में डाला है एवं सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर हम कैसी समाज-संरचना कर रहे हैं, जो इंसान को अकेला बना रही है। निश्चित ही बढ़ता अकेलापन कोई साधारण सामाजिक, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसा वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है, जो व्यक्तियों, समाजों, और व्यावसायिक संस्थानों को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है। दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवादहीनता की स्थितियों में नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। गौर करें तो इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियों में महामारी के रूप में जहर घोल रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। वृद्ध तो पहले से ही सामाजिक एवं पारिवारिक विसंगतियों में उपेक्षित है। निश्चय ही जीवन की विसंगतियां एवं विषमताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। पीढ़ियों के बीच का अंतराल विज्ञान व तकनीक के विस्तार के साथ तेज हुआ है।

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की लगभग 16 प्रतिशत आबादी आज किसी न किसी रूप में अकेलेपन, सामाजिक अलगाव या भावनात्मक दूरी का शिकार है। यह स्थिति केवल वृद्धजनों तक सीमित नहीं रही, बल्कि युवाओं, कामकाजी पेशेवरों, और यहां तक कि बच्चों तक फैल चुकी है। डिजिटल युग में जहां सब कुछ हाइकनेक्टेड लगता है, वहीं इंसानी रिश्तों में एक अदृश्य दूरी, कृत्रिमता और आत्मीयता का अभाव देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया का आभासी दुनिया में हम जितने अधिक जुड़े हैं, उतने ही भावनात्मक रूप से अकेले हो गए हैं। व्यक्तिवादी सोच, सामाजिक दुष्प्रभाव एवं रिश्तों की बिखरती दीवारों में अकेलेपन का घातक प्रभाव सामाजिक ढांचे पर गहरे रूप में पड़ रहा है। पारिवारिक संबंधों में दरारें, विवाहों में असंतोष, और तलाक की बढ़ती दरें इसकी साफ निशानी हैं। युवा पीढ़ी में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति और नशे की ओर झुकाव एक चिंताजनक ट्रेंड बन गया है। बुजुर्गों में अकेलेपन से उत्पन्न अल्जाइमर, डिमेंशिया और अन्य मानसिक रोग तेजी से बढ़ रहे हैं।

अकेलापन केवल किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत कमजोरी नहीं है, बल्कि यह समाज की सामूहिक विफलता का संकेत है। जब हम तकनीक, दौड़ और स्वार्थ में इतने उलझ जाते हैं कि किसी के पास हृसुनने का समयहृ नहीं रहता, तब अकेलापन जन्म लेता है। अब समय आ गया है कि हम फिर से रिश्तों, संवाद और करुणा की दुनिया की ओर लौटें। अन्यथा अकेलापन, उदासी और असंतुष्टि की भावनाएं कचोटती रहेगी। मानो खुद के होने का एहसास, कोई इच्छा ही ना बची हो। तब छोटी-छोटी चीजों में छिपी खूबसूरती नजर ही नहीं आती। ऐसा प्रतीत होता है कि बहुत से लोग जिंदा हैं, पर जीवित होने के जादुई एहसास को कम ही छू पाते हैं। सोच के भौतिकवादी एवं सुविधावादी होने से हमारी आकांक्षाओं का आसमान ऊंचा हुआ है। लेकिन यथार्थ से साम्य न बैठा पाने से कुंठा, हताशा व अवसाद का विस्तार हो रहा है। जिसके चलते निराशा हमें एकाकीपन या अकेले होने की ओर धकेल देती है। निश्चित ही सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है, कृत्रिम है, दिखावटी है। हर कोई सोशल मीडिया मंचों पर हजारों मित्र होने का दावा करता है, लेकिन ये मित्र कितने संवेदनशील है? कितने करीब है? इन प्रश्नों का उत्तर नकारात्मक ही है, यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल अकेला एवं गुमशुम होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता, अकेलापन दूर नहीं कर सकता। निश्चित रूप से कृत्रिम रिश्ते हमारे वास्तविक रिश्तों के ताने-बाने को मजबूत नहीं कर सकते।

विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। जिससे व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना लगा है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप एवं एकल परिवारों का बढ़ता प्रचलन भी इसके मूल में है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग किसी झटके या दबाव को सहजता से झेल जाते थे। सब मिल-जुलकर आर्थिक व सामाजिक संकटों का मुकाबला कर लेते थे। लेकिन अब बुजुर्ग एकाकीपन एवं अकेलापन से जूझ रहे है। केरल में इसी तरह के वृद्ध-संकट को महसूस करते हुए वहां की सरकार ने वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है, जो एक सूझबूझभरा कदम है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित, अकेला एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को अकेलेपन को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल में अकेलापन एक त्रासदी न बन सके।

कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना एवं महंगी होती जीवनशैली ने अकेलेपन के संकट को गहरा बनाया है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। व्यावसायिक क्षेत्रों में भी काम का बोझ इंसानों को अकेला बना रहा है। कार्यालयों और कार्यस्थलों पर भी अकेलापन एक गंभीर चुनौती बन रहा है। कर्मचारी भावनात्मक जुड़ाव की कमी के कारण कार्य में रुचि नहीं लेते। टीम वर्क, इनोवेशन और सहयोग पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। अकेलापन लंबे समय तक बना रहा तो यह बर्नआउट, कार्य से असंतोष और कर्मचारी त्यागपत्र जैसी स्थितियों को जन्म देता है। इससे उत्पादकता में भी गिरावट आती है। मेकिन्से और डेलॉइट जैसी वैश्विक कंसल्टिंग फर्म्स की रिपोर्टें दर्शाती हैं कि अकेलापन कर्मचारियों की उत्पादकता को 15-20 प्रतिशत तक घटा सकता है, जिससे कंपनियों को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है। अकेलेपन के इस संकट से निपटने के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक और संस्थागत स्तर पर सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। परिवार, मित्रों और सहयोगियों के साथ समय बिताना ही असली समृद्धि है। कंपनियों और संस्थानों में कर्मचारियों की मानसिक और भावनात्मक स्थिति को समझने वाला नेतृत्व चाहिए। डिजिटल संवाद की जगह आमने-सामने संवाद, हृवर्क फ्रॉम होम की जगह हृवर्क विद कम्युनिटी को प्राथमिकता देनी होगी। ऑफिसों और समाज में काउंसलिंग, समूह चर्चा, मेडिटेशन, और योग को प्रोत्साहन दिया जाए। सरकारों को अकेलेपन को एक जनस्वास्थ्य समस्या के रूप में मान्यता देनी चाहिए और सामाजिक समावेश के लिए ठोस कार्यक्रम चलाने चाहिए।

डब्ल्यूएचओ का वह आंकड़ा भी चौंकाता है कि अकेलापन हर साल तकरीबन आठ लाख लोगों की जीवन लीला समाप्त कर रहा है। जो यह दर्शाता है कि व्यक्ति न केवल समाज व अपने कार्यालयी परिवेश से अलग-थलग हुआ है, बल्कि वह परिवार से भी कटा है। पिछले दिनों देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने कार्यालयों में काम के घंटे बढ़ाने का आग्रह किया था। एक उद्यमी ने तो यहां तक कहा कि क्या जरूरी है कि घर में रहकर पत्नी का ही चेहरा देखा जाए। यह एक संवेदनहीन एवं बेहूदा प्रतिक्रिया थी। दरअसल, लोगों में यह आम धारणा बलवती हुई है कि जिसके पास पैसा है तो वह सबकुछ कर सकता है। जिसके चलते उसने आस-पड़ोस से लेकर कार्यस्थल पर सीमित पहुंच बनायी है। यही वजह है कि हमारे इर्द-गिर्द की भीड़ और ऑनलाइन जिंदगी के हजारों मित्रों के बावजूद व्यक्ति अकेलेपन को जीने के लिये अभिशप्त है। सही बात ये है कि लोग किसी के कष्ट और मन की पीड़ा के प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करते। हर तरफ कृत्रिमताओं का बोलबाला है। हमारे मिलने-जुलने वाले त्योहार भी अब दिखावे व कृत्रिम सौगातों की भेंट चढ़ गए हैं। हमें उन कारकों पर मंथन करना होगा, जिनके चलते व्यक्ति निजी जीवन में लगातार अकेला या एकाकी होता जा रहा है। असल में अकेलापन तभी मिटेगा जब हम फिर से इंसान बनेंगे- संवेदनशील, सजीव, संवाद और रिश्तों की गर्माहट से भरे हुए।

बिहार चुनावों में अगड़ी जातियों को साधने का खेल अब खुलकर शुरू हो चुका है !

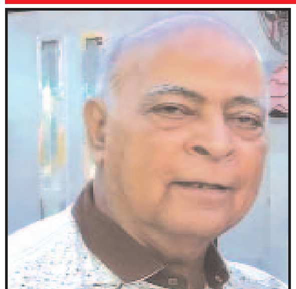

अशोक भाटिया

बिहार की राजनीति में एक बार फिर जातीय समीकरणों की गूंज सुनाई देने लगी है। इस बार केंद्र में हैं अगड़ी जातियां। अगड़ी जातियों की जिनकी आबादी हाल ही में जारी जातिगत जनगणना के अनुसार 15.52% है। अब तक राजनीतिक चर्चा में शांत मानी जाने वाली यह आबादी अचानक से चुनावी रणनीतियों की धुरी बन गई है। चुनावों में अगड़ी जातियों को साधने का खेल अब खुलकर शुरू हो चुका है।एनडीए बिहार विधानसभा चुनाव को जीत की मंजिल तक पहुंचाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। लंबे समय बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और एनडीए को सवर्ण वोट बैंक की अहमियत दोबारा समझ में आई है। यही वजह है कि अगड़ी जातियों को साधने के लिए विशेष योजनाओं और घोषणाओं पर काम चल रहा है। संभावना है कि चुनाव से पहले सवर्ण समुदाय के लिए नई घोषणाओं का पिटारा खोल सकती है।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने 2025 बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 225 सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया है। गठबंधन इस बार अपने मजबूत वोट बैंक में किसी भी प्रकार की सेंधमारी से बचना चाहता है, इसलिए वोटरों को कंसोलिडेट करने के लिए वर्ग विशेष पर केंद्रित रणनीति तैयार की जा रही है।दलित समुदाय की तरह ही अब गरीब सवर्णों के लिए भी कल्याणकारी योजनाएं लाने की तैयारी चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, इन योजनाओं पर गंभीर विमर्श जारी है, और संभवतः चुनाव से पहले इन्हें नीतिगत रूप में लागू किया जा सकता है। एनडीए को उम्मीद है कि इससे न सिर्फ अगड़ी जातियों का समर्थन और मजबूत होगा, बल्कि विपक्ष को इस वर्ग में पैठ बनाने का मौका भी नहीं मिलेगा।

बिहार सरकार ने 14 साल बाद फिर से सवर्ण आयोग का गठन कर गरीब सवर्णों के कल्याण के लिए नई पहल शुरू कर दी है। आयोग ने सक्रियता दिखाते हुए तीन उप समितियों का गठन किया है। जो अलग-अलग मुद्दों पर काम कर रही हैं। इनमें से एक उप समिति को अपनी रिपोर्ट एक महीने के भीतर सरकार को सौंपनी है। जिस पर सरकार जल्द कार्रवाई करेगी। बिहार की जातीय जनगणना के अनुसार, राज्य में कुल 2 करोड़ 76 लाख 68 हजार 930 परिवार हैं, जिनमें से करीब 94 लाख 42 हजार 786 परिवार गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं, जो कुल परिवारों का लगभग 34.13% है। विशेष रूप से सामान्य वर्ग यानी सवर्ण परिवारों की संख्या 43 लाख 28 हजार 282 है। जिनमें से लगभग 25.09% परिवार गरीबी रेखा के नीचे हैं।तकरीबन 10 लाख 85 हजार सवर्ण परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं और उन्हें कल्याणकारी योजनाओं की जरूरत है।

10 लाख 85000 गरीब सवर्ण परिवारों को राहत देने के लिए सरकार योजना पर काम कर रही है। महादलित छात्रों के तर्ज पर गरीब सवर्ण के बच्चों को नौकरियों में आयु सीमा में छूट देने पर विमर्श चल रहा है। इसके अलावा गरीब सवर्ण के बच्चों के लिए छात्रावास की सुविधा दी जाने की योजना है। इसके अलावा जिस तरीके से दलित छात्रों को कोचिंग की सुविधा सरकार के द्वारा दी जाती है उसी तरीके से गरीब सवर्ण के बच्चों को कोचिंग की सुविधा मिले इसके लिए सरकार एक्सरसाइज कर रही है। ज्ञात हो कि बिहार की राजनीति यही कोई तीन दशक से गैर सवर्ण जातियों के इर्द-गिर्द घूमती आई है। खास तौर पर पिछड़ा वर्ग का प्रभुत्व इतना बढ़ा कि इस तबके से आने वाले लालू यादव-राबड़ी देवी-नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री होते आए हैं। हालांकि एक दौर वह भी रहा है, जब मुख्यमंत्री अगड़ी जातियों के ही होते थे। 90 के दशक में जब मंडल-कमंडल की राजनीति ने अपने पांव फैलाए, तो देश के तमाम दूसरे राज्यों की तरह बिहार की सियासत का नक्शा भी बदल गया। लेकिन हाल के दिनों में, बिहार की राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। अचानक वहां अगड़ी जातियों की अहमियत बढ़ गई है।

राज्य में इस साल परशुराम जयंती का आयोजन बहुत भव्य स्तर पर किया गया, जिसमें तेजस्वी यादव ने शिरकत की। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कुंवर सिंह का विजय उत्सव बहुत धूमधाम से मनाया गया। इस समारोह में अमित शाह शामिल हुए। और तो और, जदयू ने अपनी पार्टी में सवर्ण प्रकोष्ठ बना दिया है। अमूमन राजनीतिक दलों में पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ और अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ हुआ करते हैं, लेकिन नीतीश कुमार ने यह नया प्रयोग किया है।बिहार में मुख्य रूप से चार बड़ी अगड़ी जातियां हैं- भूमिहार, राजपूत, ब्राह्मण और लाला। राजनीतिक गलियारों में उन्हें सांकेतिक भाषा में 'भूराबाल' कहा जाता है। बिल्कुल वैसे ही जैसे मुस्लिम-यादव समीकरण को 'एमवाई' कहते हैं। नब्बे के दशक में जब बिहार की राजनीति में लालू युग शुरू हुआ, तो उनको लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हुआ था। कहा यह गया कि लालू ने बिहार की राजनीति में 'भूराबाल' को साफ करने की बात कही है। हालांकि लालू यादव इसे अपने खिलाफ एक बड़ी राजनीतिक साजिश बताते रहे हैं। उन्होंने कई मौकों पर कहा कि उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया था। खैर, सच्चाई जो भी रही हो, लेकिन इस विवाद के बाद वहां लालू यादव की छवि 'एंटी अपर कास्ट' नेता के रूप में उभरी। लालू यादव ने भी इसकी परवाह किए बिना यादव, मुस्लिम और अति पिछड़ा वर्ग-दलित वर्ग की कुछ अन्य जातियों को गोलबंद कर अपने को मजबूत बनाए रखा।

बिहार में अगड़ी जातियों की आबादी 15 से 20 प्रतिशत के बीच है। एक वक्त यह कांग्रेस का वोट बैंक हुआ करती थीं, लेकिन बाद में भाजपा के साथ आईं। नीतीश कुमार के भाजपा के साथ गठबंधन में होने की वजह से इनका समर्थन जदयू को मिलता रहा। लेकिन पिछले चुनाव में यह देखा गया कि सवर्ण जातियों ने भाजपा को तो वोट किया, लेकिन जदयू को नहीं। यही वजह रही कि जदयू को पहली बार भाजपा से कम सीट मिलीं और राज्य विधानसभा में सीटों की संख्या के क्रम में तीसरे पायदान पर पहुंच गई।

राजनीति में बिना मकसद कुछ भी नहीं होता। अगर बिहार में अगड़ी जातियों की पूछ बढ़ गई है, तो उसकी वजह भी है। बिहार में जिस तरह से भाजपा तनकर खड़ी हुई है और जीतनराम मांझी, मुकेश सहनी जैसे अपनी-अपनी जातियों के नेताओं का प्रभाव बढ़ना शुरू हुआ है, उसमें आरजेडी को लगने लगा है कि 'एमवाई' समीकरण के सहारे राज्य की सत्ता में वापसी मुश्किल है। तेजस्वी यादव ने पिछले चुनाव के मौके पर कहा भी था कि अब हम 'एमवाई' की पार्टी नहीं बल्कि ए टू जेड की पार्टी होंगे। इसी कोशिश में वह अगड़ी जातियों के साथ अपनी दोस्ती बढ़ा रहे हैं। मार्च महीने में स्थानीय निकाय चुनाव में प्रत्याशियों के चयन में यह बात साफ दिखी भी। बिहार के सियासी गलियारों में यह कहा भी जाने लगा है कि लालू यादव जिस 'भूराबाल' को साफ करने की बात करते थे, तेजस्वी यादव उसी 'भूराबाल' को साथ लेकर चलने की बात करने लगे हैं।

उधर, पिछले चुनावी नतीजों से झटका खाए नीतीश कुमार को लगता है कि अगर वह खुद अपने पांव पर नहीं खड़े हुए और भाजपा ने अपनी बैसाखी छीन ली, तो फिर उनके सियासी लड़ाई मुश्किल हो जाएगी। अपने पांव पर खड़े होने की कवायद में ही वह अगड़ी जातियों में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश में हैं। राज्य में पिछड़ा वर्ग की नुमाइंदगी करने वाले आरजेडी और जेडीयू, दोनों को अब यह अहसास हो चला है कि अगड़ी जातियों का साथ लेकर ही वे अपने वोट बैंक का विस्तार कर सकते हैं।बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 58 एआईसीसी (अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी) पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है, जो राज्य में चुनावी गतिविधियों की निगरानी और सांगठनिक मजबूती के काम को सुनिश्चित करेंगे।

न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक इन पर्यवेक्षकों में विंग कमांडर (सेवानिवृत्त) अनूमा आचार्य, अली मेहंदी, अशोक चांदना, मनोज यादव, नदीम जावेद, शोएब खान, अखिलेश यादव, वीरेन्द्र यादव जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। ये सभी नेता अलग-अलग क्षेत्रों में पार्टी के प्रदर्शन, उम्मीदवार चयन, स्थानीय मुद्दों और जमीनी हालात का आकलन करेंगे।बिहार में कांग्रेस महागठबंधन का हिस्सा है, जिसमें राजद (राष्ट्रीय जनता दल) सबसे बड़ा घटक है। पिछले विधानसभा चुनाव (2020) में राजद ने 144 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 75 सीटें जीती थीं। वहीं कांग्रेस ने 70 सीटों पर किस्मत आजमाई, लेकिन केवल 19 सीटों पर जीत मिली। माकपा (सीपीआई-एमएल) ने 19 सीटों पर चुनाव लड़ा और 12 सीटें जीती थीं।राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनाव में कमजोर प्रदर्शन के बाद कांग्रेस के लिए बिहार चुनाव एक महत्वपूर्ण मौका है जिससे वह संगठन को पुनर्गठित कर राज्य में अपनी पकड़ मजबूत कर सकती है। पर्यवेक्षकों की यह तैनाती एक संगठित रणनीति का हिस्सा है।

योगी की सख्ती से यूपी छोड़ रहे हैं दिग्गज ब्यूरोक्रेट्स

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में प्रशासनिक तंत्र हमेशा चर्चा में रहा है। योगी सरकार की कार्यशैली, जिसमें सख्ती और जवाबदेही पर जोर है, ने न केवल नीतिगत फैसलों को प्रभावित किया, बल्कि ब्यूरोक्रेसी के ढांचे और अधिकारियों की भूमिका को भी नया आकार दिया। पिछले कुछ वर्षों में कई दिग्गज भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों को महत्वपूर्ण पदों से हटाकर कम प्रभावशाली भूमिकाओं में भेजा गया, जिसे नौकरशाही हलकों में हाशिए पर धकेलने के रूप में देखा जा रहा है। इसके साथ ही, सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति और लगातार प्रशासनिक फेरबदल ने यूपी की ब्यूरोक्रेसी को एक नया चेहरा दिया है।

गौरतलब हो 2022 में सत्ता हासिल करते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रशासनिक अधिकारियों पर सख्त नजर आये थे और यह सिलसिला आज तक जारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कार्यशैली में नौकरशाहों से त्वरित परिणाम और पारदर्शिता की अपेक्षा रही है। इस कारण कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों से हटाया गया। उदाहरण के लिए, 2006 बैच के आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश को 2025 में भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई योगी सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त नीति का हिस्सा थी। अभिषेक प्रकाश जैसे अधिकारियों का निलंबन न केवल उनके करियर पर प्रभाव डालता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि सरकार किसी भी स्तर पर अनियमितता बर्दाश्त नहीं करेगी। इसी तरह, 2011 बैच के आईएएस अधिकारी देवेंद्र कुमार पांडेय, जो उन्नाव में जिलाधिकारी के रूप में कार्यरत थे, को वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में निलंबित किया गया। हालांकि, बाद में उनकी बहाली हुई, लेकिन इस तरह की कार्रवाइयों ने उनकी प्रशासनिक छवि को प्रभावित किया।वैसे प्रशासनिक हलकों में यह भी चर्चा छिड़ी रहती है कि योगी जी के राज में एक खास बिरादरी के अधिकारियों पर ज्यारा विश्वास जताया जा रहा है,भले ही उनकी छवि साफ सुथरी नहीं हो। वैसे ऐसे ही आरोप विपक्ष के नेताओं खास कर सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी लगाते रहे हैं कि योगी सरकार में क्षत्रियवाद बुरी तरह से हावी है।

वैसे यहां यह भी नहीं भूलना चाहिए कि यूपी की ब्यूरोक्रेसी में वरिष्ठ अधिकारियों की कमी भी एक बड़ा मुद्दा रहा है। पिछले साल एक समाचार पत्र में रिपोर्ट आई थी,जिसके अनुसार यूपी में अपर मुख्य सचिव (एसीएस) स्तर के 16 स्वीकृत पदों में से केवल 11 पर ही अधिकारी तैनात थे। इसी तरह, प्रमुख सचिव स्तर पर 36 में से 29 और सचिव स्तर पर 96 में से 58 अधिकारी ही कार्यरत थे। कुल मिलाकर, यूपी में 652 आईएएस अधिकारियों की जरूरत के मुकाबले केवल 560 अधिकारी उपलब्ध हैं। इस कमी का एक कारण यह भी माना जाता है कि कई वरिष्ठ अधिकारी केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर चले गए हैं। 1989 बैच के भुवनेश कुमार चतुवेर्दी केंद्रीय कृषि विभाग में सचिव बनकर चले गए, जबकि 1991 बैच के कामरान रिजवी और निवेदिता केंद्र में अतिरिक्त सचिव के पद पर हैं। कुछ नौकरशाही हलकों में यह चर्चा है कि योगी सरकार की सख्त कार्यशैली के कारण कई अधिकारी केंद्र की नौकरी को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिससे यूपी में वरिष्ठ अधिकारियों की कमी और गहरा रही है।

प्रशासनिक फेरबदल योगी सरकार की एक और विशेषता रही है। हाल के वर्षों में सैकड़ों आईएएस और पीसीएस अधिकारियों के तबादले हुए हैं। इसी वर्ष 22 पीसीएस अधिकारियों को प्रोन्नति देकर आईएएस बनाया गया, जिन्हें जल्द ही नई जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। इनमें से कुछ को जिलाधिकारी के पद पर तैनात किया जा सकता है। इसके अलावा, 2024 और 2025 में कई बड़े पैमाने पर तबादले हुए, जिनमें 5 से 15 आईएएस अधिकारियों को एक साथ बदला गया। सितंबर 2024 में प्रनत ऐश्वर्य को मुख्य विकास अधिकारी अंबेडकरनगर से विशेष सचिव नमामि गंगे और संयुक्त प्रबंध निदेशक जल निगम ग्रामीण बनाया गया। इसी तरह, उमेश प्रताप सिंह को भूतत्व खनिकर्म विभाग से पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग में स्थानांतरित किया गया। इन तबादलों को सरकार की कार्यकुशलता बढ़ाने की रणनीति के तौर पर देखा जाता है, लेकिन कई बार इन्हें अधिकारियों को हाशिए पर धकेलने के रूप में भी व्याख्या की जाती है। कई मामलों में, अधिकारियों को कम महत्वपूर्ण विभागों या पदों पर भेजा गया, जिसे नौकरशाही में डिमोशन के रूप में देखा जाता है। लखीमपुर खीरी में खेत की पैमाइश में देरी के एक पुराने मामले में 2024 में आईएएस अधिकारी घनश्याम सिंह सहित तीन पीसीएस अधिकारियों को निलंबित किया गया। हालांकि, घनश्याम सिंह को बाद में बहाल कर लिया गया, लेकिन इस तरह की कार्रवाइयां अधिकारियों की छवि और प्रभाव को कम करती हैं। इसी तरह, 2015 बैच के कुछ अधिकारियों को जिलाधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पदों की रेस में शामिल होने के बावजूद कम प्रभावशाली भूमिकाओं में रखा गया। सूत्रों के अनुसार, प्रणय सिंह, अमनदीप डुली और आलोक यादव जैसे अधिकारियों को जल्द ही जिलाधिकारी बनाया जा सकता है, लेकिन अभी तक उनकी तैनाती अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण पदों पर ही रही है। योगी सरकार की नीतियों ने ब्यूरोक्रेसी में जवाबदेही को बढ़ावा दिया है, लेकिन इस प्रक्रिया में कई दिग्गज अधिकारियों को हाशिए पर जाने का सामना करना पड़ा है। भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाइयां, जैसे 11 आईएएस अधिकारियों का निलंबन, और लगातार तबादले, ने नौकरशाही में एक तरह का दबाव बनाया है। कुछ अधिकारी इसे सरकार की सख्ती के रूप में देखते हैं, जबकि कुछ इसे प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त करने की रणनीति मानते हैं। इसके बावजूद, यह स्पष्ट है कि योगी सरकार की प्राथमिकता कार्यकुशलता और पारदर्शिता है, जिसके लिए वह किसी भी स्तर पर समझौता करने को तैयार नहीं है।

दूसरी ओर, सरकार की योजनाओं को लागू करने में ब्यूरोक्रेसी की भूमिका अहम रही है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, गेहूं की न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि, और मुफ्त बस सेवा जैसी पहलें नौकरशाही के सहयोग से ही संभव हुई हैं। लेकिन इन योजनाओं को लागू करने में विफलता या देरी ने कई अधिकारियों को सरकार की नाराजगी का सामना करना पड़ा। कुंभ मेला 2025 की तैयारियों के लिए विजय किरन आनंद जैसे अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गईं, जबकि कुछ अन्य को कम प्रभावशाली भूमिकाओं में रखा गया।बहरहाल, यूपी की ब्यूरोक्रेसी में बदलाव का यह दौर न केवल प्रशासनिक ढांचे को प्रभावित कर रहा है, बल्कि अधिकारियों के करियर पथ को भी नया आकार दे रहा है। योगी सरकार की सख्ती और लगातार फेरबदल ने कई दिग्गज आईएएस अधिकारियों को हाशिए पर धकेल दिया है, लेकिन यह भी सच है कि इस प्रक्रिया ने नए और ऊजार्वान अधिकारियों को मौका दिया है। कुल मिलाकर, यूपी की ब्यूरोक्रेसी एक परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, जहां जवाबदेही और परिणाम सरकार की प्राथमिकता बने हुए हैं।

चंद्रशेखर बनाम आजाद उर्फ पंडित हरिशंकर ब्रह्मचारी

-विवेक रंजन श्रीवास्तव

अमर स्व बलिदानी स्वतंत्रता के रण बांकुरे चंद्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को मध्यप्रदेश के वर्तमान अलीराजपुर जिले के भाबरा गाँव में हुआ था। उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने हेतु अब उनके गांव को आजादनगर नाम से जाना जाता है।

पिता पंडित सीताराम तिवारी के स्वाभिमान और माता जगरानी देवी के संस्कारों ने किशोर चंद्र शेखर को बचपन से ही देशभक्ति की अदम्य भावना से भर दिया। भील बालकों के साथ बिताए बचपन ने उनमें धनुर्विद्या और निशानेबाजी का कौशल विकसित किया, जो भविष्य में उनके क्रांतिकारी जीवन का आधार बना । बनारस संस्कृत पाठशाला में पढ़ाई के दौरान 1919 के जलियाँवाला बाग नरसंहार ने उनके मन में ब्रिटिश विरोध की अग्नि प्रज्वलित की। इसी समय उन्होंने ठान लिया कि अंग्रेजों को ईंट का जवाब पत्थर सेऱ देना होगा।

1920 में गांधीजी के असहयोग आंदोलन से जुड़ने पर मात्र 15 वर्ष की आयु में उनकी पहली गिरफ्तारी हुई। जब मजिस्ट्रेट ने उनका नाम पूछा, तो उन्होंने दृढ़ता से उत्तर दिया ऱमेरा नाम 'आजाद', पिता का नाम 'स्वतंत्रता' और निवास 'जेल' है।ऱ इस उत्तर से क्रुद्ध होकर जज ने उन्हें 15 कोड़ों की सजा सुनाई। हर कोड़े के वार के साथ उनके मुख से ऱवन्दे मातरम !ऱ और ऱमहात्मा गांधी की जय !ऱ के उद्घोष गूँजे। सजा के बाद उन्हें तीन आने दिए गए, जिन्हें उन्होंने जेलर के मुँह पर फेंक दिया। इसी घटना ने 'तिवारी' को सदैव केलिए 'आजाद' बना दिया । 1922 में चौरी-चौरा कांड के बाद जब गांधीजी ने आंदोलन वापस ले लिया, तो आजाद का अहिंसा से मोहभंग हो गया। उन्होंने बनारस में क्रांतिकारी संगठन 'हिन्दुस्तान प्रजातंत्र संघ' (बाद में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन) से जुड़कर सशस्त्र क्रांति का मार्ग चुना ।

रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व काकोरी ट्रेन डकैती को अंजाम देकर उन्होंने सरकारी खजाने को लूटा, जिससे क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए धन जुटाया जा सके। इस घटना में एक यात्री की मृत्यु हो गई, जिसके बाद ब्रिटिश सरकार ने इसे हत्या बताया। बिस्मिल और अशफाक उल्ला खाँ को गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन आजाद पुलिस की आँखों में धूल झोंककर फरार हो गए । 1928 में लाला लाजपत राय की पुलिस लाठीचार्ज से हुई मृत्यु का बदला लेने के लिए आजाद, भगत सिंह और राजगुरु ने 17 दिसंबर को लाहौर में पुलिस अधीक्षक सॉन्डर्स को गोलियों से भून डाला। इस कार्रवाई ने समूचे भारत में क्रांतिकारियों का मनोबल बढ़ाया । आजाद ने ही संगठन का नाम बदलकर ऱहिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशनऱ (ल्लरफ्अ) रखा और रूस की बोल्शेविक क्रांति की तर्ज पर भारत में समाजवादी क्रांति का आह्वान किया । 27 फरवरी, 1931 को इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में एक मुखबिर ने उनके वहां होने की जानकारी पुलिस को दे दी। पुलिस से घिर जाने पर उन्होंने अपने साथी को सुरक्षित निकाला और अकेले ही सैनिकों का सामना किया। गंभीर रूप से घायल होने पर उन्होंने अपनी प्रतिज्ञा निभाते हुए अंतिम गोली खुद को मार ली, ताकि अंग्रेज उन्हें जीवित न पकड़ सकें । उनकी अंतिम यात्रा में उमड़ी भीड़ ने उनकी अस्थियों की राख को ताबीज की तरह सँजोया, जो उनकी जनता के दिलों में बसी अमर छवि का प्रमाण था । आज भी उनकी पिस्तौल इलाहाबाद संग्रहालय में संरक्षित है, जो उस अग्निकाल की गवाह बनी हुई है। चंद्रशेखर आजाद का जीवन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की वह अमर गाथा है जिसमें एक युवा क्रांतिकारी ने अपनी प्रतिज्ञा, साहस और बलिदान से अंग्रेजी साम्राज्य की नींव हिला दी। उनका अंतिम संदेश था ऱएक बलशाली सौ विद्वानों को कंपा देता हैऱ ।आज भी युवाओं में देशप्रेम की ज्वाला प्रज्वलित करने में उनका जीवन प्रेरणा है । उनकी प्रेरक जीवनी पर डॉक्यूमेंट्री के सिवाय, 1963 में जगदीश गौतम निर्देशित, इंदिरा बंसल, पैदी जैराज जैसे कलाकारों के साथ फिल्म चन्द्र शेखर आजाद बनी थी ।

समाजिक ज्वलंत जरूरतें

-विक्रम दयाल

देश में सामाजिक ज्वलंत जरूरतों में गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, समानता,और पर्यावरण जैसे मुद्दे शामिल हैं। ये समस्याएं समाज के सभी वर्गों को प्रभावित करती हैं। और उन सभी के जीवन की गुणवत्ता को कम करती हैं। सरकार को सहयोग करने वाले नेता जनता के बीच जाते तो हैं मगर मुख्य मुद्दों से हटकर जनता का ध्यान किसी अन्य दिशा सी तरफ कर देते हैं, या उन्हें भटका देते हैं। इसलिए मुख्य मुद्दे जनता के छूट जाते हैं और समस्याएं जैसे की तैसी बनी रहती है। और उन समस्याओं का निवारण नही हो पाता है। इस तरह सामाजिक जरूरतों पर काम नही होता है, जनता की जरूरते और बढ़ती जाती हैं। गरीबी और बेरोजगारीः भारत में करोड़ो लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं और उनके पास भोजन, वस्त्र और आवास जैसी बुनियादी सुविधाएँ भी मोहैया नही हो पाई हैं। बेरोजगारी भी एक बड़ी समस्या है खासकर युवाओं के लिए जिससे सामाजिक अशांति और अपराध निरंतर बढ़ते ही जा रहे हैं। आजकल देश में अपराधिक मामलों की संख्या में काफी वृद्धि देखने को मिल रही है। शिक्षाः शिक्षा पर सभी का मौलिक अधिकार है। लेकिन भारत में अभी भी बहुत से लोग अशिक्षित ही हैं। इस तरह शिक्षा की कमी से लोग गरीबी और बेरोजगारी के चक्र में बुरी तरह फंसे रहते हैं। मगर शिक्षित होना नही चाहते। स्वास्थ्यः स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच भी एक बहुत बड़ी चुनौती है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की। कुपोषण और बीमारियाँ और खराब स्वास्थ्य सुविधाएं लोगों के जीवन को प्रभावित करती हैं। क्यों कि सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों तक ग्रामीण लोगों कि पहुँच नही हो पाती है। और समय रहते स्वास्थ्य लाभ से वंचित रह जाते हैं। समानताः जाति, धर्म, लिंग पर सामाजिक आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव अभी भी एक बड़ी समस्या है। समानता और न्याय सुनिश्चित करना एक महत्वपूर्ण सामाजिक जरूरत है। हमारा समाज अभी भी भेदभाव के महाजालरुपी बंधन में बंधता ही जारहा है। जाति और धर्म का भेदभाव समाज से निकलता ही नही है। अभी भी असमानता बनी हुई है। पर्यावरणः पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक उपयोग समाज के लिए खतरा बनता जा रहा है। इसके लिए समाज को जागृति करने की विशेष जरूरत है। इन समस्याओं को हल करने के लिए सरकार और सरकारी पंचायतों और व्यक्तियों को मिलकर काम करने की आवश्यकता है और जरूरत भी है। सामाजिक समस्याओं का समाधान विश्व जागरूकता और सही नीतियों के दम पर किया जा सकता है। इसके अलावा सामाजिक संगठनों कि भूमिका,आर्थिक विकास, और सामुदायिक सहयोग भी महत्वपूर्ण है। सामाजिक समस्या का समाधानः समाजिक समस्या का समाधान एक जटिल प्रक्रिया है। जिसमें समाज सी पहचान, कारण और विश्लेषण, समाधानों कि खोज, कार्यान्वयन शामिल है। इसके लिए विभिन्न दृष्टिकोणों, रणनीतियों का उपयोग किया जा सकता है। जैसे कि व्यक्तिगत स्तर पर समस्या-समाधान कौशल विकसित करना, सामाजिक नीतियों और कार्यक्रमों के माध्यम से समाधान खोजना, और नागरिक समाज संगठनों सी भूमिका को सक्रिय करना। जिससे सामाजिक समस्या का समाधान निकल सकता है।

एकम्स ने भारत में बड़ों और बुजुर्गों के लिए हाई-स्ट्रेंथ पैरासिटामोल सिरप लॉन्च किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत की सबसे बड़ी दवा बनाने वाली कंपनी एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड ने नया पैरासिटामोल सिरप लॉन्च किया है। यह ताकतवर और आसानी से देने वाला सिरप बड़ों और बुजुर्गों में दर्द और बुखार को बेहतर तरीके से कंट्रोल करने के लिए बनाया गया है।

यह नया पैरासिटामोल सिरप दर्द और बुखार की दवाओं की कैटेगरी में एक महत्वपूर्ण डेवलपमेंट है, क्योंकि इसमें कम मात्रा में ही बड़ी उम्र के लोगों के लिए पूरा डोज मिल जाता है। यह उन मरीजों के लिए फायदेमंद है जिन्हें टैबलेट निगलने में परेशानी होती है। इस लॉन्च के साथ एकम्स बच्चों के सिरप और बड़ों की टैबलेट के बीच की कमी को पूरा करता है और मरीजों के लिए एक आसान और असरदार विकल्प देता है, ताकि इलाज सही तरीके से चल सके। पैरासिटामोल 500mg/5ml भारत में मिलने वाले सबसे ताकतवर लिक्विड पैरासिटामोल फॉर्मूलों में से एक है। यह सिर्फ 5' में ही एडल्ट लोगों की पूरी डोज देता है, जिससे दवा कम बार और कम मात्रा में लेनी पड़ती है। यह खासतौर पर हॉस्पिटल, क्लीनिक और घर पर इलाज में बहुत फायदेमंद है। यह खासकर तब जब नर्सों से दवा देना संभव न हो या टैबलेट काम न कर रही हो या मरीज को लेने में परेशानी हो रही हो तो तेजी से राहत देता है। यह पैरासिटामोल सिरप असली ज़िंदगी की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। यह खासतौर पर बुजुर्गों, ऑपरेशन के बाद ठीक हो रहे मरीजों और जिन्हें निगलने में दिक्कत होती है, उनके लिए फायदेमंद है। एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर संदीप जैन ने कहा, एकम्स में हमारा हमेशा प्रयास रहता है कि हम ऐसी दवाएं बनाएं जो लोगों की ज़िंदगी में असल में फर्क लाएं। यह नया हाई-स्ट्रेंथ पैरासिटामोल सिरप मरीजों और देखभाल करने वालों की असली जरूरतों को समझकर बनाया गया है। ऐसी दवा जो असरदार हो, जिसे लेना आसान हो और बीमारी के समय बोझ न लगे।

केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन द्वारा शिवभक्त कांवड़ियों को किया गया सम्मानित

पालघर(उत्तरशक्ति)। श्रावण मास की पुण्य बेला में भगवान शिव की भक्ति में लीन कांवड़ियों का बोईसर से संजान तक की करीब 80 किमी लंबी पदयात्रा के उपलक्ष्य में केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन द्वारा भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस आयोजन का नेतृत्व फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष तुलसीराम केवट ने किया। उनके मार्गदर्शन में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा आयोजित कांवड़ यात्रा में शामिल कांवड़ियों को सम्मान पत्र, शॉल व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। विशेष रूप से बोईसर से संजान तक पैदल यात्रा करने वाले शिवभक्तों को इस समारोह में मुख्य रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन अध्यक्ष तुलसीराम केवट का भी जोरदार स्वागत किया गया। गायक दिनेश्वर कुशवाहा और गायक रविंद्र विश्वकर्मा ने भक्ति गीतों के माध्यम से कार्यक्रम को भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम में शिवभक्तों की आस्था, सेवा भावना और सामाजिक समरसता का सुंदर संगम देखने को मिला। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, समाजसेवी और भक्तगण उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के जन्मदिन के अवसर पर सैकड़ों नागरिकों को मुफ्त पेट्रोल वितरण

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। उपमुख्यमंत्री अजित पवार के जन्मदिन के अवसर पर एनसीपी शहर अध्यक्ष प्रवीण पाटिल ने कल्याण नाका स्थित सुंदरबेनी पेट्रोल पंप पर नागरिकों को मुफ्त पेट्रोल वितरण कार्यक्रम आयोजित करके उनका जन्मदिन एक अलग अंदाज में मनाया। बतादें कि सुंदरबेनी पेट्रोल पंप पर लगभग 500 नागरिकों को 100-100 रुपये मूल्य के मुफ्त पेट्रोल कूपन दिए गए। इसी तरह शहर अध्यक्ष प्रवीण पाटिल ने भिवंडी शहर के बाल सुधार गृह के बच्चों को मुफ्त मिठाई और भोजन प्रदान किया। उक्त अवसर पर नामदेव अहिरे, तेजस सावंत, प्रेम देवलीकर, रोकड़े आदि पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विकास की नई ऊंचाइयों की तरफ बढ़ रहा महाराष्ट्र : कृपाशंकर सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के लोकप्रिय मुख्यमंत्री हैं। उनके सफल नेतृत्व में महाराष्ट्र तेजी से विकास की नई ऊंचाइयों की तरफ बढ़ रहा है। महाराष्ट्र में तीसरी बार मुख्यमंत्री की कमान संभाल रहे देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन पर उनका अभिनंदन करने के बाद महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने उपरोक्त बातें कही। मुख्यमंत्री के बहुत करीबी कृपाशंकर सिंह ने आज सुबह ही उनके आवास पर जाकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के विकास के साथ-साथ यहां की गौरवपूर्ण संस्कृति, सद्भावना और भाईचारे को कायम रखने की दिशा में लगातार समर्पित भावना के साथ काम कर रहे हैं। यही कारण है कि वे महाराष्ट्र की जनता के बीच लोकप्रिय मुख्यमंत्री साबित हुए हैं।

स्वराज्य तोरण चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से भिवंडी शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के पत्रकारों को रेनकोट वितरण

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी तालुका में स्वराज्य तोरण चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से भिवंडी पत्रकार महासंघ और महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ मुंबई के सहयोग से सोमवार 21/7/2025 को ग्राम पंचायत कार्यालय वल में भिवंडी शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के 100 पत्रकारों को रेनकोट वितरित करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं इसके साथ ही आरोग्य धनसंपदा फाउंडेशन कल्याण के अध्यक्ष जितेंद्र पाटिल द्वारा सभी पत्रकारों के लिए एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। बतादें कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला सूचना अधिकारी ठाणे मनोज सानप, वल ग्राम पंचायत के सरपंच सचिन पाटिल, ग्राम पंचायत अधिकारी राकेश जोशी, आरोग्यम धनसंपदा फाउंडेशन कल्याण के अध्यक्ष जितेंद्र पाटिल, स्वराज्य तोरण चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष और दैनिक स्वराज्य तोरण के संपादक डॉ. किशोर बलिराम पाटिल, वरिष्ठ पत्रकार श्रीमती संध्याताई पवार, राजेंद्र कबाड़ी, आचार्य सूरजपाल यादव, अबू बकर, अरुण मिश्रा, कुसुम देशमुख और भिवंडी शहर और ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित थे। पत्रकारों, जनता और सरकार के बीच एक कड़ी के रूप में काम करने वाला अधिकारी जिला सूचना अधिकारी है। तहसीलदार, प्रांत, एसीपी, डीसीपी, एसपी के पदों को हर कोई जानता है। लेकिन बहुत से लोग जिला सूचना अधिकारी के पद को नहीं जानते हैं। यह एक राजपत्रित श्रेणी 1 का पद है और एमपीएससी द्वारा भरा जाता है इसलिए समाज के निर्माण में, समाज के सुधार में, समाज के विकास में, एक पत्रकार के रूप में विचार की स्वतंत्रता के आधार पर व्यक्त की गई राय का अत्यधिक महत्व है। कार्यपालिका,

विधायिका और न्यायपालिका को एक साथ काम करने की ताकत देने के लिए, उन पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण रखने के लिए, उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए, उनकी गलतियों को इंगित करने के लिए, आपको संविधान के अनुच्छेद 19 ए के अनुसार अपने विचार व्यक्त करने का हथियार दिया गया है और यह समाज के विकास के लिए किया जाना चाहिए। इसलिए यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि पत्रकार ही लोकतंत्र के तीन स्तंभों को बदलने का काम करते हैं, जिला सूचना अधिकारी मनोज सानप ने पत्रकारों का मार्गदर्शन करते हुए कहा। इस कार्यक्रम के आयोजन में अपना सहयोग करने वाले वल ग्राम पंचायत के सरपंच सचिन पाटिल ने कहा कि मुझसे ज्यादा परिचित हैं फिर भी मैं उनका एक छोटा सा परिचय आपके सामने प्रस्तुत करता हूँ। किशोर पाटिल जिस पाटिल परिवार से आते हैं, उसकी इस क्षेत्र में एक महान परंपरा है। इस परिवार ने गाँव को शिक्षा के क्षेत्र में कुछ भी हासिल किए बिना नहीं छोड़ा है जैसे डॉक्टर, इंजीनियर, वकील उन्होंने हर क्षेत्र में अपना नाम कमाया है। इसका एक उदाहरण पत्रकार किशोर पाटिल हैं। पिछले17 वर्षों से स्वराज्य तोरण चैरिटेबल ट्रस्ट और दैनिक स्वराज्य तोरण के माध्यम से पत्रकारों के लिए विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की जाती रही हैं। इस कार्यक्रम का एकमात्र उद्देश्य यह है कि इस अवसर पर पत्रकारों का एक समागम मनाया जाता है। सभी जाति और धर्मों के पत्रकार एक साथ उपस्थित होकर अपने विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। इसलिए, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि यह कार्यक्रम अनवरत जारी रहेगा, ऐसा दैनिक स्वराज्य तोरण के संपादक डा. किशोर बलिराम पाटिल ने कार्यक्रम की प्रस्तावना करते हुए कहा। वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र कबाड़ी और आरोग्य धनसंपदा फाउंडेशन के अध्यक्ष जितेंद्र पाटिल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। आरोग्य धनसंपदा फाउंडेशन, कल्याण द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया था। संस्था के अध्यक्ष जितेंद्र पाटिल की पहल पर इस शिविर में बीपी, शुगर, आँखों, चश्मे और अन्य बीमारियों की जाँच की गई। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण यह रहा कि पत्रकारिता करते हुए कानून की शिक्षा(एलएलबी) पूरी करने वाले पत्रकारों को पुष्पगुच्छ, मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिसमें संतोष जानू चव्हाण, सोमनाथ बालाराम ठाकरे, शरद वसंतराव भसाले, रवि रामदुलार वर्मा, नितिन चंद्रमणि पंडित, मोनिश सुमति मोहन गायकवाड़ आदि गणमान्य उपस्थित थे।

नालासोपारा पूर्व में भाजपा नेता हरिकेश तिवारी के कार्यालय का उद्घाटन

आनंद मिश्रा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व स्थित ओसवाल नगरी में भारतीय जनता पार्टी के जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन महाराष्ट्र के वन मंत्री एवं पालघर जिले के पालक मंत्री गणेश नाईक के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर नालासोपारा के आमदार राजन नाईक, भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रदन्या पाटिल, वसई शहर की विधायिका स्नेहा दुबे पंडित, वरिष्ठ नेता अरुण पटेल, पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील, मंडल अध्यक्ष प्रमोद सिंह, ठाकुर जेपी सिंह, संजय पांडे , हितेश दुबे समेत पार्टी के अनेक प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के आयोजक भाजपा नेता हरिकेश लालता तिवारी को शुभकामनाएं देते हुए पालक मंत्री गणेश नाईक ने कहा भाजपा का मुख्य उद्देश्य जनता की सेवा करना है, और यह जनसंपर्क कार्यालय इस दिशा में एक सार्थक कदम है। कार्यक्रम को सफल बनाने में भाजपा के महिला एवं पुरुष कार्यकर्ताओं, मंडल अध्यक्षों, जिला कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

लड़की की पिटाई करने वाले युवक पर मामला दर्ज

- आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे पुलिस – मनसे नेताओं की मांग
- पीड़ित लड़की से मारपीट की घटना सीसीटीवी में कैद

कल्याण(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में बीते कुछ दिनों से मराठी और हिंदी को लेकर जमकर बवाल मचा हुआ है। इसी बीच कल्याण से सामने आई एक घटना ने सबके चौका दिया है। कल्याण के नांदिवली इलाके में निजी अस्पताल में रिसेप्शनिस्ट का काम करने वाली मराठी युवती की बुरी तरह पिटाई की गई है। युवती की पिटाई करने वाले युवक का नाम गोपाल उर्फ गोकुल झा है, जो उत्तर भारतीय है। इस मामले में पीड़िता की शिकायत पर मानपाड़ा पुलिस ने गोकुल झा पर मामला दर्ज कर लिया है। वहीं युवक की गुंडागर्दी अस्पताल में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है।

जानकारी के अनुसार नांदिवली में एक निजी अस्पताल में मराठी युवती रिसेप्शनिस्ट का काम करती है। रोज की तरह वह अस्पताल में काम कर रही थी। 4 से 5 पेशंट डॉक्टर की राह देख रहे थे। डॉक्टर के केबिन में दो एमआर बैठे हुए थे। इस दौरान मरीज के साथ आया एक युवक गोकुल झा जबरन डॉक्टर के केबिन में घुसने लगा। तभी उस युवती ने गोकुल को केबिन में जाने से रोका। युवती ने कहा कि डॉक्टर के केबिन में एमआर बैठे हुए हैं। आप अंदर मत जाइए। इतनी सी बात को लेकर आरोपी गोकुल झा ने मराठी युवती पर हमला कर दिया। सीसीटीवी में स्पष्ट रूप से दिख रहा है कि किस तरह बेरहमी से आरोपी ने युवती पर लात-घूंसे बरसाए। इस घटना को लेकर मानपाड़ा पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया है, और आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

एमएनएस ने की आरोपी की गिरफ्तारी की मांग-इस मामले को लेकर अब राजनीति भी तेज हो गई है। एमएनएस के पदाधिकारियों ने पीड़ित युवती से मुलाकात की फिर पुलिस स्टेशन जाकर पुलिस अफसर से भी चर्चा की। आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। अगर पुलिस उसे पकड़ नहीं सकती तो हम उसे ढूंढ कर पुलिस के हवाले करेंगे। आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए ऐसी मांग एमएनएस पदाधिकारियों ने की।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन पर भाजपा बोईसर मंडल द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी बोईसर मंडल द्वारा मंगलवार 22 जुलाई 2025 को भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन बोईसर शहर स्थित डॉन बास्को स्कूल परिसर में सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक संपन्न हुआ। ₹रक्तदान महादान है झ यह जीवन बचाने का सर्वोत्तम माध्यम है₹ इस प्रेरक संदेश के साथ आयोजित इस शिविर ने समाजसेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। इस पुनीत कार्य में सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर

हिस्सा लिया और स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता का संदेश दिया। शिविर में दर्जनों यूनिट रक्त एकत्र किया गया। भाजपा बोईसर मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि यह शिविर समाजसेवा की भावना से प्रेरित होकर आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य जरूरत के समय पीड़ितों को समय पर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष महेंद्र भोणे, वरिष्ठ नेता संजय पाटील, जिला महासचिव अशोक वड़े, जिला उपाध्यक्ष प्रशांत संखे, जिला सचिव सत्यप्रकाश सिंह, भाजपा पालघर जिला सचिव अंकुर राऊत, नापेश संखे, खैरापाड़ा ग्राम पंचायत सरपंच विवेक वडे, विश्व हिंदू परिषद के पालघर जिला अध्यक्ष महावीर जैन, कोंकण प्रांत गौ रक्षा प्रमुख चंदन सिंह, भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के जिला अध्यक्ष आर.बी. सिंह, उपाध्यक्ष रवि सिंह सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए इस मानवीय कार्य को एक जनआंदोलन का रूप देने का संकल्प दोहराया।

देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में पहुंचे संजय उपाध्याय

मुंबई (उत्तरशक्ति)। लोकमान्य बाळ गंगाधर टिळक की जयंती की पूर्वसंध्या एवं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन के अवसर पर सेवा दिवस मनाते हुए भाजपा बोरिवली पूर्व एवं पश्चिम विधानसभा की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में आयोजन बोरिवली पश्चिम मंडल एवं बोरीवली पूर्व मंडळ ने भी पूरा सहयोग किया था ।

स्थानीय भाजपा विधायक संजय उपाध्याय ने कहा कि भाजपा कार्यकताओं एवं नागरिकों ने रक्त दान श्रेष्ठ दान को सच साबित कर दिया है। इस रक्तदान शिविर में खून की 250 बोतलें इकठ्ठा की गई । पूर्व सांसद गोपाळ शेट्टी, स्थानीय विधायक संजय उपाध्याय ने बोरीवली के विभिन्न इलाकों में आयोजित कार्यक्रमो में भी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने रक्तदान करने वालों को प्रमाणपत्र दिया और उनके सामाजिक योगदान के लिए उनका अभिनंदन एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को यशस्वी बनाने के लिए बोरिवली पश्चिम मंडळ अध्यक्ष नैनेश शाह, बोरीवली पूर्व मंडळ अध्यक्ष देव सिंग, सुरेखा ठोके, सहित सभी वॉर्ड अध्यक्ष श्रेया प्रभु, शेखर अहिरे, रचित जैन, धर्मवीर ठाकूर, योगेश मकवाना, समेत भाजपा पदाधिकारी तथा कार्यकर्ताओ ने विशेष योगदान दिया । अंत में रक्तदान शिविर के प्रमुख आयोजक महेश राऊत ने रक्तदान शिविर कार्यक्रम को यशस्वी बनाने के लिए सभी का आभार माना।

वित्तीय समावेशन और इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट प्रणाली पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। विक्रमगढ़ तहसील के ग्राम पंचायत जांभा में वित्तीय साक्षरता और डिजिटल लेनदेन के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन जिला अग्रणी बैंक (बैंक ऑफ महाराष्ट्र), आर्थिक साक्षरता सलाह केंद्र, पालघर और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों विशेष रूप से महिलाएं, किसान, विद्यार्थी और शासकीय अधिकारी को डिजिटल भुगतान प्रणाली जैसे यूपीआई, आईएमपीएस, एनईएफटी, आरटीजीएस, क्यूआर कोड आदि की जानकारी देना और सुरक्षित लेनदेन के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान आरबीआई मुंबई से आए विशेषज्ञ जय नायक और आकाश झाड़े ने डिजिटल लेनदेन की विधियों और साइबर सुरक्षा के उपायों पर

विस्तृत मार्गदर्शन दिया। अग्रणी बैंक प्रबंधक विशाल वाघ और आर्थिक साक्षरता सलाहकार उज्वला कोकणे ने सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शैक्षणिक ऋण और विभिन्न सरकारी बैंक योजनाओं की जानकारी दी। बैंक ऑफ महाराष्ट्र की विक्रमगढ़ शाखा के प्रबंधक निलेश गवळी ने बैंक खातों में केवाईसी अपडेट करने और नामांकन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। ग्रामपंचायत के सरपंच, उपसरपंच, सदस्य तथा क्षेत्र के अनेक नागरिकों ने कार्यशाला में उत्साहपूर्वक भाग लिया। नागरिकों ने डिजिटल लेनदेन से जुड़ी अपनी शंकाएं, समस्याएं और अनुभव खुले मन से साझा किये। कार्यक्रम के अंत में बैंक प्रबंधक विशाल वाघ ने कहा, देश तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है। प्रत्येक नागरिक को चाहिए कि वह डिजिटल लेनदेन की विधियों को अपनाकर सुरक्षित और पारदर्शी लेनदेन सुनिश्चित करे। साथ ही, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ लेने हेतु बैंक में खाता खुलवाना आवश्यक है।

गरीब विद्यार्थियों के सपनों को उड़ान दे रहा है मन रे फाउंडेशन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। अक्सर देखा गया है कि कई होनहार विद्यार्थी आर्थिक तंगी के कारण अपनी पढ़ाई अधूरी छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। लेकिन पालघर जिले के ऐसे जरूरतमंद छात्रों के लिए ₹मन रे फाउंडेशन₹ एक नई उम्मीद बनकर उभरा है। हाल ही में फाउंडेशन द्वारा 100 विद्यार्थियों को लगभग 62 लाख रुपये की शैक्षणिक सहायता प्रदान की गई, जिससे वे उच्च शिक्षा के लिए आगे बढ़ सकें।फाउंडेशन की अध्यक्षा मानसी दलाल ने छात्रों को यह भरोसा दिलाया कि यदि वे पढ़ाई जारी रखते हैं तो मन रे फाउंडेशन उनके उच्च शिक्षण की पूरी जिम्मेदारी उठाएगा। उन्होंने कहा, ₹आप बस मन लगाकर पढ़ाई करो, मदद के लिए हम हमेशा आपके साथ हैं। मन रे फाउंडेशन पिछले चार वर्षों से पालघर जिले के ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्रों में कार्यरत है। विशेष रूप से जिला परिषद विद्यालय के छात्रों को हर साल स्कूल बैग, शैक्षणिक साहित्य, सर्दियों के कपड़े आदि वितरित किए जाते हैं। संस्था का यह प्रयास स्कूलों में छात्रों की संख्या बढ़ाने में सफल रहा है। इसके अलावा संस्था ने देखा कि कई छात्राएं मासिक धर्म के दौरान स्कूल

नहीं आती थीं, क्योंकि उनके पास सैनेटरी पैड्स की सुविधा नहीं थी। इस समस्या को समझते हुए, फाउंडेशन ने लड़कियों को सालभर का सैनेटरी पैड किट देना शुरू किया। लेकिन इसके साथ एक शर्त भी रखी गई – छात्रा की स्कूल उपस्थिति 90% से अधिक होनी चाहिए। मानसी दलाल ने बताया कि 2020 से अब तक सैकड़ों विद्यार्थियों को फाउंडेशन ने आर्थिक सहायता दी है। उन छात्रों को चिह्नित किया जाता है, जो वाकई में आर्थिक रूप से कमजोर हैं और जिनके पास शैक्षणिक शुल्क भरने की क्षमता नहीं है।

गैलेक्सी जेड फोल्ड7, गैलेक्सी जेड फ्लिप7 को एस 25 सीरीज के बराबर प्री-ऑर्डर्स मिले, भारत में स्मार्टफोन्स के लिए नया बेंचमार्क स्थापित किया

मुंबई/पटना। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज घोषणा है कि इसके हाल में लॉन्च किए गए नए स्मार्टफोन्स - गैलेक्सी जेड फोल्ड7, गैलेक्सी जेड फ्लिप7 और गैलेक्सी जेड फ्लिप7 एफई - को पहले 48 घंटों में रिकॉर्ड 210,000 प्री-ऑर्डर्स मिले हैं। यह अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है और इस साल की शुरूआत में गैलेक्सी एस 25 सीरीज के लिए प्राप्त प्री-ऑर्डर्स के लगभग बराबर है। यह दिखाता है कि लोगों में ब्रांड के फोल्डेबल स्मार्टफोन की सातवीं पीढ़ी के लिए जबर्दसत मांग और उत्साह है। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने कहा, हमारे 'मेड इन इंडिया' फोल्डेबल स्मार्टफोन्स को मिले रिकॉर्ड प्री-ऑर्डर दिखाते हैं कि भारत के युवा नई तकनीक को अपनाने में काफी तेज हैं। गैलेक्सी जेड फोल्ड7 अब तक का सबसे उन्नत स्मार्टफोन है, जो ताकत, खूबसूरती, स्मार्टनेस और आसान पोर्टेबिलिटी देता है। गैलेक्सी जेड फ्लिप7 यूजर्स की जरूरतों को समझता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

वाराणसी में मंडी निरीक्षक 22 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार, मुकदमा दर्ज

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। एंटी करप्शन की टीम ने सोमवार को पहाड़िया मंडी के मंडी निरीक्षक को 22000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। निरीक्षक ने लाइसेंस देने के लिए रिश्वत की मांग की थी। जबकि इसकी कीमत महज 250 रुपये है।

एंटी करप्शन की टीम ने की कार्रवाई

एंटी करप्शन की ओर से जारी प्रेस रिलीज के अनुसार शिवपुर इलाके के लोढ़ान निवासी अजित कुमार ओझा ने 15 जुलाई को एंटी करप्शन ऑफिस में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि रुद्र ट्रेनिंग कंपनी के नाम से लाइसेंस लेने के लिए उन्होंने 24 जून को अप्लाई किया था।पहाड़िया मंडी के मंडी निरीक्षक सत्येंद्र नाथ ने इसके लिए 250 रुपये फीस के अलावा 22000 रुपये की रिश्वत मांगी। अजित ने यह भी बताया कि मंडी निरीक्षक ने बिना पैसा लिए लाइसेंस जारी न करने की बात कही। इसके लिए 20 से 25 बार फोन कर चुके थे। मिलने के लिए भी बोल चुके थे, सिफारिश करने पर भी वह मान नहीं रहे थे. इससे एंटी करप्शन को इसकी शिकायत करनी पड़ी।इसके बाद टीम ने मंडी निरीक्षक को रंगे हाथ पकड़ने के लिए जाल बिछाया।अजित सोमवार को मंडी निरीक्षक सत्येंद्र नाथ के बुलाने पर पहाड़िया मंडी पहुंचे. मंडी के चेक पोस्ट गेट नंबर 2 के अंदर अजीत ने सत्येंद्र नाथ को ?22000 की रिश्वत उनके हाथों में पकड़ा दी। इसी दौरान आसपास मौजूद टीम ने आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया।

एंटी करप्शन टीम ने बताया कि आरोपी के खिलाफ लालपुर पांडेयपुर थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है।पीड़ित ने बताया कि मंडी निरीक्षक महीनेभर से उसे परेशान कर रहे थे। वह सभी के साथ ऐसा कर रहे थे. मैंने हिम्मत जुटाकर शिकायत कर दी, वहीं इससे पूर्व एंटी करप्शन की टीम ने शनिवार को विकास प्राधिकरण के 3 कर्मचारियों को भी 25 हजार रुपये की रिश्वत के साथ पकड़ा था.तीनों आरोपियों में एस ई गौरव सिंह जयप्रकाश, जेई अशोक यादव, संविदा पर तैनात एसोसिएट इंजीनियर मोहम्मद अनस शामिल हैं। तीनों ने नक्शा के नोटिस पर कार्रवाई न करने के लिए 2 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी।

कला एवं साहित्य के क्षेत्र में अग्रणी अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती

अभिताश गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ज़िले में वार्षिक योजना बैठक दिनांक 19 जुलाई 2025 दिन शनिवार को नगर क्षेत्र स्थित आर्ट ऑफ लिविंग नॉर्थ सेंटर जौनपुर में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता डॉ.ज्योति दास ने की।

बैठक में मुख्य अतिथि सतीश जिंदल उपाध्यक्ष, संस्कार भारती (काशी प्रांत)एवं विशिष्ट अतिथि सुजीत श्रीवास्तव, प्रांत महामंत्री, संस्कार भारती (काशी प्रांत) एवं संरक्षक रविंद्र जी ने दीप प्रज्वलन एवं मां भारती तथा भगवान नटराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया। बैठक में वर्ष भर हुए कार्यक्रमों के बारे में सविस्तार जिलामंत्री अमित गुप्ता ने सदन के समक्ष पढ़ा। वर्ष भर में कुल 15 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।इसके पश्चात कोषाध्यक्ष राजकमल वर्ष भर के कार्यक्रमों का आय व्यय का वृत्त प्रस्तुत किया।संस्था की अध्यक्ष डॉ.ज्योति दास ने आगामी नए सत्र में होने वाले सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा रखी ।

प्रवासी पदाधिकारी सतीश जिंदल ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कार भारती केन्द्र के

निर्देशानुसार संस्था की रीति नीति में आवश्यक संशोधन किए गए हैं। जिसमें पांच कला विभाग होंगे, मंचीय कला, दृश्य कला, साहित्य, लोक कला व कला धरोहर।

प्रांत महामंत्री सुजीत कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कार क्षम कार्यक्रमों के आयोजन का प्रभाव समाज पर होता है। अपने निर्धारित उत्सवों में से दो उत्सव यथा नटराज पूजनोत्सव व भरत मुनि स्मरण दिवस सभी इकाइयों को अनिवार्य रूप से मनाना है। संविधान 75 व पंच प्रण पर आधारित कार्यक्रम की योजना बनाई जाय। डॉ.ज्योति दास ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास से संस्था अपने सभी कार्यक्रमों को सुचारू रूप से सम्पन्न कराती आई है। भविष्य में भी आप सभी से इसी प्रकार सहयोग व समर्पण की अपेक्षा करती हूं।

बैठक में मुख्य रूप से सुषमा गुप्ता, सोनम अग्रहरि, ज्योति ऋषि, अनीता गौड़, कमलेश, डॉ.नरेंद्र पाठक, मनीष अस्थाना, बालकृष्ण साहू, मयंक नारायण, आशीष श्रीवास्तव, अजय गुप्ता, विष्णु गौण, श्रद्धानंद श्रीवास्तव, आकाश सेठ, जय सिंह, प्रताप सिंह, धर्मेंद्र सेठ, राजेश किशोर, मनीष श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव, राज केशरी, मनोज गुप्ता, शशांक सिंह रानू, दीपक श्रीवास्तव, समीर श्रीवास्तव, संजय साहू, डॉ.सूरज जायसवाल, अतुल सिंह, आशीष जायसवाल, अनिल विश्वकर्मा, विनोद अग्रहरि सम्मिलित हुए बैठक का सफल संचालन ऋषि श्रीवास्तव ने किया। आभार एवं धन्यवाद अमित अंशु ने किया।

प्रशांत मिश्र को मिली जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

◆ **शिक्षकों की आवाज को अब मिलेगा नया संबल**

ए.के.तिवारी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ,

जौनपुर की जिला कार्यकारिणी के विस्तार के अंतर्गत जनपद के प्रतिष्ठित होटल 'रिवर व्यू' में एक भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष श्री अरविंद शुक्ल ने की, जिसमें विभिन्न विकास खंडों से आए शिक्षक प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। संगठन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर विमर्श के उपरांत सर्वसम्मति से प्रशांत मिश्र को जिला उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा, ’शिक्षक समाज का मेरुदंड हैं, हमें उनके हितों की रक्षा के लिए सदैव सजग रहना होगा। उन्होंने नवमनोनीत पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और सशक्त बनाने का आह्वान किया। संचालन क्रम में राकेश पाण्डेय एवं अरविंद यादव को भी जिला कार्यकारिणी में शामिल किया गया, जबकि खुटहन विकासखंड में राजकुमार यादव को संयोजक नियुक्त किया गया। प्रशांत मिश्र ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा, शिक्षक हित मेरे लिए सर्वोपरि है। संगठन ने जो विश्वास जताया है, मैं उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाने का प्रयास करूंगा।

कार्यक्रम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष लाल साहब यादव, मंत्री रविचंद्र यादव, कोषाध्यक्ष रामदुलार यादव, उपाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह ह्यरानूह्न, संगठन मंत्री विक्रम प्रकाश यादव, अनिल दीप, मनोज यादव (ब्लाक अध्यक्ष करंजाकला), उमेश पाठक, नागेश्वर यादव, दीपक पाण्डेय, मोइन खान, अखिलेश चौधरी, अमृत प्रकाश, चन्द्र मणि मिश्र, अरशद कमाल, धीरेन्द्र कुमार समेत जिले भर से आए सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन उत्साह और संगठनात्मक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें शिक्षक हितों की रक्षा के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता दोहराई गई।

युवक ने किया चेन पुलिंग तो पुलिस ने भेजा चालान, उतर गया नशा

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मंगलवार को अनावश्यक रूप से युवक को ट्रेन रोकना भारी पड़ गया। जानकारी के अनुसार सरपतहां थाना क्षेत्र के घुघरी सुल्तानपुर निवासी विवेक यादव पुत्र रामबली यादव मरुधर एक्सप्रेस से कहीं से आरहा था। ट्रेन शाहगंज से जब छूटी तो थोड़ी ही देर में उक्त युवक ने चेन पुलिंग कर दिया। जिससे ट्रेन लगभग दस मिनट तक आउटर पर खड़ी रही।जानकारी होने पर आरपीएफ पुलिस ने छानबीन कर उक्त युवक को अनावश्यक रूप से चेन पुलिंग करने के आरोप गिरफ्तार कर लिया और रेलवे एक्ट की सम्बन्धित धारा में चालान न्यायालय भेज दिया।

यातायात पुलिस टीम ने कावड़ियों को हेलमेट, गमछा, पानी और बिस्कुट का किया वितरण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात श्री देवेश सिंह के सानिध्यता में यातायात प्रभारी सुशील

कुमार मिश्रा मय टिम के द्वारा कावण यात्रा को सुरक्षित/दुर्घटना रहित बनाने के दृष्टिगत अभियान चलाकर हौज खास हाइवे पर बिना हेलमेट दो पहिया वाहन से कावण लेकर जा रहे कावड़ियों को 100 अदद हेलमेट, गमछा, पानी का बोतल, व बिस्कुट पैकेट का वितरण किया गया तथा सुरक्षित यात्रा के लिये यातायात नियमों के पालन करनें हेतु सभी को जागरुक किया गया, जिससे दुर्घटना से बचा जा सकें। साथ ही सुरक्षित यात्रा के लिए हाइवे व अन्य सड़क मार्गों पर अपने लेंन में चलें, नसे में वाहन ना चलायें व वाहन धीरे चलायें यह भी निर्देशित किया गया।

जौनपुर में 7 साल के अरहान ने किया कुरान मुकम्मल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के मियांपुर मोहल्ले की सामाजिक संस्था मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित मदरसे का एक छात्र 7 साल के मासूम अरहान ने इस्लाम धर्म की मुकद्दस किताब कुरान जो की अरबी भाषा में है उसे मुकम्मल किया है। बच्चे ने कम उम्र में ही कुरान को मुकम्मल किया जिसके लिए मौलाना मोहम्मद शाफे को अरहान के पिता मोहम्मद इरशाद ने सम्मानित किया। इस खुशी में उन्होंने मदरसे के अन्य बच्चों में भी मिष्ठान वितरण किया। इस मौके पर संचालक बख्तियार आलम ने कहा कि बच्चे कि कामयाबी के लिए माता-पिता एवं मौलाना बधाई के पात्र हैं। मदरसा कमेटी की तरफ से बच्चे की हौसला अफजाई के लिए कुरान मुकम्मल के लिए एक प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर भी उसका उत्साह वर्धन किया गया।

ईस्ट जोन ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2024-25 का चार दिवसीय टूनार्मेंट का हुआ शुभारंभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 20 जुलाई को सीबीएससी बोर्ड द्वारा ईस्ट जोन ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2024 -25 का चार दिवसीय टूनार्मेंट नानक पब्लिक स्कूल हरबसपुर फूलपुर जौनपुर में शुभारंभ हो गया है उद्घाटन मुख्य अतिथि कुंवर जय सिंह ओलंपिक चैंपियन एवं सीबीएससी बोर्ड सिटी कोऑर्डिनेटर रुचि शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि निखिलेश सिंह कर्मचारी नेता उत्तर प्रदेश एवं वरिष्ठ डॉक्टर विवेक श्रीवास्तव द्वारा किया गया जिसमें लगभग चार प्रदेश के उत्तर प्रदेश ईस्ट, बिहार, झारखंड के सीबीएसई बोर्ड द्वारा संचालित 210 स्कूल के छात्र-छात्राएं जिनकी संख्या लगभग 2200 की है ने भाग ले रहे हैं यह टूनार्मेंट चार दिवसीय है इसका समापन 23 जुलाई को होगा और टूनार्मेंट नानक पब्लिक स्कूल एवं सीबीएसई बोर्ड के द्वारा कराया जा रहा है यह जानकारी नानक पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष सरदार मनमोहन सिंह मैनेजर देवेंद्र कौर, प्रभु जोत सिंह कोऑर्डिनेटर अनुपम श्रीवास्तव एवं एवं वॉइस प्रिंसिपल नीलम मिश्रा द्वारा दिया गया इस मौके पर उपस्थित रहे नानक स्कूल की अध्यापिका नानक परिवार के सभी सदस्य और कई जनपद से आए प्रधानाचार्य, अध्यापिका इस प्रतियोगिता के कारण जनपद के समस्त छात्र उत्साहित हैं जनपद जौनपुर का नाम बच्चों का उत्साह समस्त सीबीएसई बोर्ड स्कूल के द्वारा हो रहा है जिसका समापन अवार्ड कार्यक्रम 23 जुलाई को शाम 3:00 बजे होगा जिसमें मुख्य अतिथि खेल युवा कल्याण मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार गिरीश चंद्र यादव द्वारा किया जाएगा।

ट्रेन की पटरी के किनारे मिला वृद्धा का शव, पुलिस जांच पड़ताल में जुटी

चिरैयामोड़ के आगे गेट नम्बर 63 के पास की है घटना

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। ट्रेन के पटरी के पास एक वृद्ध महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। बताया जाता है की कोतवाली अंतर्गत चिरैयामोड़ के आगे गेट नम्बर 63 के पास मंगलवार की सुबह ट्रेन की पटरी के पास एक वृद्ध महिला का शव देखे जाने से सनसनी फैल गयी।थोड़ी ही देर में मौके पर काफी भीड़ इकट्ठा हो गयी।इसी दौरान पुलिस को जानकारी होने पर जीआरपी पुलिस और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में

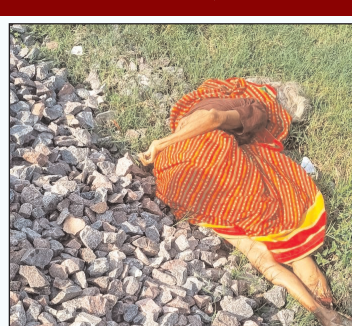

लेकर शव की शिनाख्त का प्रयास किया मगर शव की शिनाख्त नही हो पाई।आशंका जताई जा रही है वृद्ध महिला की मौत ट्रेन से धक्का लग जाने के कारण हुई है।उक्त वृद्ध महिला के शरीर पर फूलदार रंगीन साड़ी पहनी हुई थी।फिलहाल आवश्यक लिखा पढ़ी के शव को कोतवाली पुलिस ने पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया गया। इस सम्बंध में प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह ने बताया की शव की शिनाख्त नही हो पाई है। प्रयास जारी है जल्द ही शिनाख्त कर आगे की कार्यवाई की जाएगी।

कोतवाली पुलिस ने पर्स चुराने वाले आरोपी को वादी की मदद से किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा प्रभारी निरीक्षक नेतृत्व में थाना स्थानीय पर तैनात उ0नि0 गोविन्द मौर्या, का0 नितीश यादव द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान जिला अस्पताल सदर जौनपुर से पर्स व कुछ नगदी रुपये चुराने वाले अभियुक्त अनोज चमार पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी छितौना थाना शाहगंज जनपद जौनपुर को जिला अस्पताल सदर जौनपुर में इलाज कराने आये व्यक्ति वशिष्ठ गौतम पुत्र विश्वनाथ निवासी जमैथा थाना जफराबाद जनपद जौनपुर द्वारा पकड लिया गया। जिसको लाकर थाने पर दाखिल किये तथा पर्स व नगदी के संबंध में वशिष्ठ गौतम उपरोक्त द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र के आधार पर मु0अ0सं0 224/25 धारा 303(2)317(2) बीएनएस पंजीकृत कर आरोपी की नियमानुसार गिरफ्तारी कर आवश्यक

कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

अनुसूचित जाति के राजगिर मिस्त्री को मारने पीटने पर एससी-एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज

गौराबाशाहपुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के तारा उमरी गांव निवासी एक राजगीर मिस्त्री को कावड़ यात्रा देखते समय कुछ दबंगों ने जाति सूचक शब्दों से गाली देते हुए मारपीट कर घायल कर दिया। तारा उमरी गांव निवासी जय हिंद कुमार पुत्र रामसेवक ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि रविवार को वह अपने काम से वापस लंच करने लौट रहा था। तारा बाजार में कावड़ यात्रा जा रही थी मैं रुक कर उस यात्रा को देखने लगा तभी वहां पर दबंग समर बहादुर यादव और रामधनी यादव ने आकर उसे अपनी दुकान के सामने खड़ा होने से मना किया और बोला कि चौराहा हमारा है यहां से चले जाओ। जब मैंने पूछा मेरी गलती क्या है तो जाति सूचक शब्दों से गालियां देते हुए लाठी डंडा से मारपीट दिया। भागते समय जब मैं गिर पड़ा तो मुझे उठाकर फिर से मारे और जान से मारने की धमकी देते हुए भगा दिए।इस संदर्भ में पूछे जाने पर थाना अध्यक्ष फूलचंद पांडे ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु दबिश दी जा रही है।

जौनपुर में एक विवाहिता की हुई संदिग्ध मौत, मायके वालों ने हत्या का लगाया आरोप

पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच में जुटी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के चौकीपुर चौकियां में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। विवाहिता के मायके पक्ष के लोगो की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुची तो विवाहिता का शव उसके कमरे में पड़ा मिला।मंगलवार को भोर में रागिनी के मायके पक्ष के लोगो ने लाइन बाजार थाने पर सूचना दिया कि उसकी पुत्री रागिनी का कॉल कट कर दिया जा रहा है। खेतासराय थाना क्षेत्र के मानी कला के मायके पक्ष ने किसी अनहोनी

फाइल फोटो

की आशंका जताई। जिस पर चौकी पुलिस मुकेश सोनकर के घर पहुच गए। पुलिस ने देखा तो विवाहिता रागिनी (24) का शव उसके कमरे में पड़ा हुआ था। विवाहिता के गले मे निशान बना हुआ मिला। विवाहिता की सास और अन्य सदस्य फरार हो गए थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी लाइन बाजार सतीश सिंह ने बताया कि रागिनी के पिता मोहन सोनकर के द्वारा तहरीर दी गई है। मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

फांसी पर लटका मिला विवाहिता का शव

◆ **घटना से परिवार में कोहराम मच गया**

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सिकरारा थाना क्षेत्र के बढ़ौना नोनियान बस्ती में एक विवाहिता प्रियंका चौहान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताते है कि मंगलवार सुबह करीब 9 बजे उनका शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के समय प्रियंका के पति शशिकांत चौहान पिछले एक सप्ताह से ससुराल में मजदूरी कर रहे थे। प्रियंका अपने दो छोटे बच्चों के साथ घर पर थी। सुबह 8:30 बजे उन्होंने अपनी जेठानी की बेटी आंचल को सब्जी बनाने के लिए दी और खुद करकट निर्मित कमरे में चली गईं। जब आंचल सब्जी बनाने का तरीका पूछने कमरे में गई। तो उसने प्रियंका को फांसी पर लटका देखा। आंचल की चीख सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। घटना की सूचना मिलते ही रिश्तेदारी में गए परिवार के सदस्य और उसके मायके से लोग आये। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। जांच में कुछ संदिग्ध तथ्य सामने आए हैं। मृतका के हाथ लाल कपड़े से बंधे मिले। पास में एक गड्ढा खोदा गया था, जिसमें उनका एक पैर था और वहीं एक फावड़ा भी पड़ा मिला।

सड़क दुर्घटना में पुजारी घायल

मीरगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गोधना गाँव स्थित पहलवान बीर बाबा धाम के मुख्य पुजारी संत लाल 65 वर्ष सड़क दुर्घटना में घायल हो गये। उनका इलाज गोधना के निजी अस्पताल मे कराया जा रहा है।

मछलीशहर वाराणसी एनएच 731बी पर गोधना गाँव के पास स्थित पहलवान बीर बाबा धाम पर प्रयागराज जिले के सराय इनायत थाना के सहसो के पास बभनकुईया गाँव निवासी संत लाल 65 वर्ष लगभग 20 वर्षो से मुख्य पुजारी के रुप मे पूजा अर्चना करते है सोमवार की भोर मे 4 बजे वह उठकर पूजा पाठ की तैयारी कर रहे थे तभी मछलीशहर की तरफ तेज रफ्तार वाहन की चपेट मे आ गये। जिससे उनका पैर फैक्चर हो गया उनको गोधना के नीजी चिकित्सक के यहा इलाज कराया जा रहा है।

समाजवादी महिला और मजदूर सभा ने प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने के विरोध में दिया धरना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी मजदूर सभा एवं समाजवादी महिला सभा के सयुक्त तत्वाधान में सरकारी प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने के विरोध में धरना दिया गया। जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन सौपा गया। इस अवसर पर समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव अमित यादव ने अपने सम्बोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के तानाशाह रवैया के चलते किसानों एवं मजदूरों के बच्चे शिक्षा से वंचित हो रहे है। जब से भाजपा सरकार में आई हैं तब से पढ़ाई बंद कराई हैं। अगर यूपी सरकार के पास सरकारी विद्यालयों को संचालित करने हेतु पर्याप्त बजट नहीं हैं तो आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की सुरक्षा में 50

फीसदी की कटौती करके बजट की पूर्ति कर सकती हैं। सरकार की प्राथमिकता पाठशाला होनी चाहिए न कि मधुशाला। समाजवादी महिला सभा की जिलाध्यक्षा शमीर्ला रमेश यादव ने अपने सम्बोधन में कहा कि सरकारी विद्यालयों के बंद होने से हजारों रसोइयों को रोजगार से वंचित होना पड़ रहा हैं।इस अवसर पर आनंद पांडे, उषा जायसवाल, अमरेंद्र यादव, साहब लाल गौतम, रमेश यादव, मनोज शर्मा, मालती निषाद, आरिफ हबीब खान, ऋषि यादव, आर बी यादव, तारा त्रिपाठी, सीमा खान, सीमा यादव, शशिकला कन्नौजिया, सुधा गौतम, संगीता प्रजापति, प्रदीप यादव इत्यादि सही सैकड़ों लोगों ने धरने ने प्रतिभाग किया।

सावन में रहेगी भंडारो की बहार

चिराना । निकटवर्ती लोहार्गल धाम में सावन के महीने में कई जगह भंडारे लगते हैं पर लोहार्गल के मुख्य मार्ग में स्थित गणेश मंदिर के सामने बने विशाल भव्य विश्राम गृह में सावन के सोमवार हेतु आने वाले कावड़ियों के लिए एवं आम राहगीरों के वास्ते सोनी परिवार द्वारा विशाल भंडारा लगाया गया ,जिसमें बूंदी भुजिया व सब्जी पूडी और निशुल्क चाय की व्यवस्था रही। सीकर के बाल किशन सोनी परिवार द्वारा हर साल यहां तीर्थ पर आए शिव भक्तों एवं श्रद्धालु के लिए उनके पुत्रों द्वारा पूरे महीने भर भंडारे का आयोजन रहता है और उनकी मित्र मंडली एवं सगे संबंधी द्वारा सेवा कार्य किया जाता है। जानकारी देते हुए प्रगतिशील कुमावत समिति के संरक्षक डॉ. राजेंद्र कुमावत ने बताया कि यह भंडारा वर्षों से लगाया जाता रहा है जिसमें बाल किशन सोनी के पुत्र बाबूलाल सोनी,सुरेश सोनी जयपुर प्रवासी,महेश कुमार सोनी, भवानी सिंह,परमेश्वर सोनी,अशोक कुमार सोनी,शिव कुमार व वरुण सोनी,ओम प्रकाश शर्मा,राम प्रताप निमिवाल,प्रकाश प्रजापति बिरजू राम कुमावत,नन्द लाल कुमावत सेवा के दौरान मौजूद रहे। समिति सचिव अमोलक पारमुवाल ने इस पुनीत सेवा के लिए सोनी परिवार का आभार जताया।

रिश्तेदारी में आए युवक पर लगा 19 वर्षीय लड़की को लेकर फरार होने का आरोप

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के जलालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में रिश्तेदारी में आए एक युवक द्वारा 19 वर्षीय युवती को रात के अंधेरे में भगा ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना की जानकारी परिजनों को सुबह नींद से जागने के बाद हुई। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार,बीते 17 जुलाई की रात उक्त गांव की एक महिला अपने परिवार के साथ भोजन करने के बाद सोने चली गई। उसी रात, उनके गांव में रिश्तेदारी में आया एक युवक उनकी 19 वर्षीय पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया ऐसा आरोप परिजनों ने लगाया। परिजनों को सुबह युवती के लापता होने की जानकारी हुई जिसके बाद परिवार में हड़कंप मच गया। इसकी शिकायत जब परिवार के लोगों ने उस युवक के माता पिता से किया तो उन लोगों ने उनसे गाली गलौज की और जान से मारने की धमकी भी दी। वही, तहरीर के आधार पर पुलिस अभियोग दर्ज कर आगे की विधिक कार्यवाई करने में जुट गयी है। खबर लिखे जाने तक युवती का कही पता नहीं चल सका है।

बिजली की करेंट लगने से युवक की हुई मौत

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। कोन थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कचनरवा के टोला बेसाहूखाड़ी (भलमनवा) में सोमवार की रात्रि लगभग 10.30 बजे एक 26 वर्षीय मनोज कुमार पुत्र विशुनदेव चेरो की पंखा के प्लग लगाने के क्रम में दर्दनाक मौत हो गई जहाँ परिजनों में चीख पुकार शोरगुल होने लगा। जहाँ शोरगुल सुनकर आस पास की भीड़ एकत्रित हो गई। बतातें चलें कि मृतक किसी तरह अपना ट्रैक्टर चलाकर अपना भरण पोषण करता था और वहीं मृतक की पत्नि माँ बाप का रो रोकर बुरा हाल हो गया। जिसके क्रम में मृतक के चाचा किशुनदेव चेरो ने बताया कि वह दिन में मजदूरी करके घर आया था जिसे खाना खाने के बाद उसे गर्मी लग रही थी जिसके क्रम में वह प्लग लगा रहा था कि वह अचानक उसकी चपेट में आ गया जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। परिजनों के अनुसार इसकी सूचना संबंधित थाने को दे दी गई थी। सूचना पाकर कोन पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया। परिजनों सहित स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन व संबंधित विभाग का ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल मुवाअजा की मांग किया है।

'महाराष्ट्र नायक' कॉफी टेबल बुक का भव्य विमोचन

मुंबई। जल भूषण हॉल, राजभवन, मुंबई में महाराष्ट्र के यशस्वी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जी के जन्मदिवस के पावन अवसर पर आयोजित एक गरिमामय समारोह में, महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन के करकमलों से प्रेरणादायक कॉफी टेबल बुक 'महाराष्ट्र नायक' का विमोचन संपन्न हुआ। यह पुस्तक मुख्यमंत्री फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र के विकास यात्रा और उनकी निर्णायक नेतृत्व क्षमता का साक्ष्य प्रस्तुत करती है। पुस्तक की संकल्पना राज्य के जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन द्वारा की गई है। इस अवसर पर महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष एडवोकेट राहुल नार्वेकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही राज्य मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, विधायकगण योगेश सागर, कालिदास कोलंबकर, श्रीमती सुलभा गायकवाड़, महेश बाल्दी, मंगेश चव्हाण, केशव उपाध्याय सहित अनेक मान्यवर गणमान्य अतिथि इस ऐतिहासिक अवसर पर साक्षी बने। मुझे इस विशेष अवसर पर सहभागी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ, उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु और सफल नेतृत्व यात्रा की मंगलकामनाएँ!

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले डाबर च्यवनप्राश के साथ करें मानसून का स्वागत

पटना(उत्तरशक्ति)। मानसून के आगमन के साथ ही संक्रमणों का खतरा भी बढ़ जाता है, खासकर बच्चों में। ऐसे में उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को सशक्त बनाने हेतु डाबर इंडिया लिमिटेड ने मंगलवार को आरपीएस रेजिडेंशियल स्कूल, पटना में एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर स्कूल के छात्रों के बीच डाबर च्यवनप्राश का वितरण किया गया।

डाबर इंडिया लिमिटेड के हेल्थ सप्लीमेंट्स के मार्केटिंग प्रमुख, अमित गर्ग ने कहा, आयुर्वेद की गहराई और आधुनिक विज्ञान के समन्वय से तैयार किया गया डाबर च्यवनप्राश आज की जीवनशैली और मौसमी बदलावों से बचाव के लिए एक सुरक्षित और विश्वसनीय समाधान है। हम देशभर के बच्चों को स्वस्थ रखने के इस प्रयास में लगातार सक्रिय हैं। कार्यक्रम में स्कूल के प्रिंसिपल डी.के. सिंह, वाइस प्रिंसिपल उषा सिन्हा एवं स्कूल के शिक्षक गण विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने डाबर की इस पहल की सराहना करते हुए कहा बच्चों की सेहत को लेकर डाबर की यह कोशिश बेहद सराहनीय है। इस तरह की पहल छात्रों को सुरक्षित और स्वस्थ रखने में निश्चित रूप से मददगार साबित होगी। डॉ. प्रसाद, एक प्रसिद्ध आयुर्वेद विशेषज्ञ ने इस अवसर पर बताया ्रच्यवनप्राश एक प्राचीन आयुर्वेदिक सूत्र है जो प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के साथ-साथ संक्रमणों से सुरक्षा प्रदान करता है। डाबर च्यवनप्राश में मौजूद जड़ी-बूटियाँ जैसे आंवला, गिलोय, पिप्पली, शालपर्णी आदि त्रिदोष संतुलन और रोग प्रतिरोधक क्रियाओं में सहायक हैं। डाबर च्यवनप्राश का मुख्य घटक आंवला है, जो विटामिन सी से भरपूर होने के साथ-साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए जाना जाता है। इसके अतिरिक्त गिलोय, पिप्पली, वासा, भूम्यामलकी जैसी कई आयुर्वेदिक औषधियां इस उत्पाद में शामिल हैं, जो बच्चों को सर्दी-खांसी, मौसमी बुखार और अन्य श्वसन संक्रमणों से सुरक्षा प्रदान करती हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल डाबर च्यवनप्राश का वितरण नहीं था, बल्कि बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली, आयुर्वेद की उपयोगिता और रोगों से प्राकृतिक रक्षा के बारे में जागरूक करना भी था।

गिरीश चंद्र यादव की अध्यक्षता में विद्युत, पीडब्ल्यूडी विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण, विभाग उ0 प्र0 गिरीश चंद्र यादव की अध्यक्षता में निरीक्षण भवन पीडब्ल्यूडी में विद्युत विभाग, पीडब्ल्यूडी विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न हुई। बैठक में विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री के द्वारा निर्देश दिया गया कि जनपद की विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो, इसके लिए जिन जगहों पर बार बार टांसफार्मर जलने की शिकायत प्राप्त हो रही हैं। वहां पर ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि की जाए। जहां जर्जर तार बदलने की आवश्यकता हो, वहां प्राथमिकता पर कार्य करते तार बदले जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि मनिहा सबस्टेशन को शीघ्र अति शीघ्र संचालन कराया जाना सुनिश्चित करें।

राज्यमंत्री ने निर्देशित किया कि गलत बिलिंग की समस्या के समाधान हेतु आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ आम जनमानस का फोन अनिवार्य रूप से उठाए और व्यस्तता की दशा में कॉल बैक करना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही एक व्हाट्स ऐप ग्रुप बनाने के निर्देश दिए, जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, पत्रकार बन्धु सहित अन्य को जोड़ा जाए, जिससे उन्हें अद्यतन जानकारी, कार्यवाही से अवगत कराया जा सके। राज्यमंत्री ने निर्देश दिये कि गभिरन के आस पास एक नए सब स्टेशन और शहरी क्षेत्र में पुरानी बाजार के आस पास नए सब स्टेशन बनाए जाने के लिए जमीन चिन्हित किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिया कि हुसैनाबाद में ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि करते हुए सिपाह, रामघाट क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से चले इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिया कि ट्रांसफार्मर मरम्मत के कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और शासन के निर्देश के अनुसार सभी मानक पूरे कराए और मरम्मत कार्य की रैंडम चेकिंग कराई जाए। राज्यमंत्री जी के द्वारा जलजीवन मिशन के कार्यो की समीक्षा की गयी। समीक्षा के दौरान उन्होने निर्माणाधीन ओवर हैड टैंक, कनेक्शन, रेस्टोरेशन सहित अन्य कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। समीक्षा के दौरान निर्देश दिया कि मैनपावर बढाते हुए प्रगति लाये। जिन जगहों पर जमीन न मिलने की समस्या है सम्बन्धित उपजिलाधिकारी से समन्वय करते हुए जमीन की उपलब्धता सुनिश्चित कराये। राज्यमंत्री के द्वारा सीवर कार्य, कनेक्शन आदि की समीक्षा की गयी। उन्होंने अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी को निर्देश दिया कि जिन सड़को में गड्ढे हो गये है वहां तत्काल गिट्टी डलवाना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही पीडब्ल्यूडी की सड़क को बिना परमिशन लिए तोडने पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। उन्होने कहा कि आम जनमानस को समस्या का सामना न करना पडें। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका जौनपुर को निर्देश दिया कि नियमित रूप से साफ सफाई कराया जाए। इसके साथ ही इन्डियन आयल कंपनी के प्रतिनिधि से उनके द्वारा पाइप लाइन डालने के दौरान तोडी गयी सड़को की सूची मांगी गयी। राज्यमंत्री जी के द्वारा जनपद में चल रहे सेतु निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गयी और निर्देश दिया गया कि निर्धारित समयावधि में गुणवत्ता पूर्ण कार्य कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारीगण शासन के मंशानुरूप गम्भीरतापूर्वक कार्य करते हुए समयबद्ध तरीके से कार्य करते हुए योजनाओं को धरातल पर लाने कार्य करें। इस अवसर पर राज्यमंत्री के प्रतिनिधि अजय सिंह, एस0ई0 विद्युत रमेश चंद्र, राम दास सहित एस0डी0ओ0, जे0ई0 सहित अन्य विभागों के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय चौहान महासंघ भरूच द्वारा 33वां स्थापना दिवस एवं छात्र सम्मान समारोह संपन्न

भरूच, गुजरात (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय चौहान महासंघ, जो कि मुनीब सिंह चौहान (संस्थापक अध्यक्ष) एवं नरेन्द्र सिंह चौहान (संस्थापक सदस्य) द्वारा स्थापित एक सामाजिक संगठन है, ने अपना 33वां स्थापना दिवस बड़े हर्षोल्लास एवं गौरवपूर्ण माहौल में मनाया। इस भव्य कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष राम सिंह चौहान ने की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्र-छात्राओं का सम्मान रहा, जिसमें शिक्षा, खेल, कला आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को मंच पर सम्मानित किया गया। विभिन्न वक्ताओं ने अपने प्रभावशाली विचार व्यक्त करते हुए चौहान समाज की एकता, शिक्षा के महत्व और संगठन की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर समाज की सामाजिक और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु कई योजनाओं की भी घोषणा की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में व्यास मुनि चौहान भरूच जिला अध्यक्ष, जितेंद्र रामेश्वर चौहान भरूच जिला महासचिव, राम नारायण तेजू चौहान भरूच जिला कोषाध्यक्ष, शैलेश जवाहरलाल चौहान राष्ट्रीय प्रवक्ता, गोविंद कैलाश चौहान राष्ट्रीय महासचिव, राम रतन रघुनाथ चौहान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, रमेश रामकृत चौहान राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, अरविन्द नंदलाल चौहान, मनोज लल्लन चौहान, विजय सिंह चौहान, दलसिंगार चौहान, कैलाश चौहान, योगेंद्र चौहान, जितेंद्र चौहान, भोला चौहान, सुनीता चौहान, अनिल चौहान सहित कई गणमान्य सदस्य एवं समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं सामूहिक भोज के साथ हुआ। यह आयोजन न केवल संगठन की मजबूती को दशार्ता है, बल्कि युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने वाला एक अनुकरणीय प्रयास भी सिद्ध हुआ।

नही चलेंगे अमान्य विद्यालय: खंड शिक्षा अधिकारी

मछलीशहर में दो बंद, चार को हिदायत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर खंड शिक्षा अधिकारी अमरदीप जायसवाल ने मंगलवार को सुबह नौ बजे से अमान्य विद्यालय को चिन्हित करते हुए मौके पर पहुंचकर दो अमान्य विद्यालय बंद कराया। चार को मान्यता को कॉपी नहीं दिखाने पर बंद करने की हिदायत दिया।कहा कि अमान्य विद्यालय दुबारा चलता मिला तो कड़ी कार्यवाही की जाएगी। खंड शिक्षा अधिकारी अमरदीप जायसवाल सुबह साढ़े नौ बजे केआरपी पब्लिक स्कूल गंगापुर में पहुंचे। उसके बाद सीताराम शिक्षण संस्थान, जहां विद्यालय मान्यता न होने पर तत्काल बंद कराया। इसके साथ ही दिव्य स्टार कांवेंट स्कूल,एसएस शिक्षा समिति खाखोपुर, एसआर पब्लिक स्कूल खाखोपुर विद्यालय पर पहुंचकर मान्यता न होने पर विद्यालय न चलाने की हिदायत दिया। दिव्य स्टार स्कूल एवं एसएस शिक्षा समिति को मान्यता की कॉपी नहीं देने पर विद्यालय बंद कराया। हिदायत दिया कि सभी बच्चो को निकट के परिषदीय विद्यालय में नामांकन करा दें।अगर दुबारा बिना मान्यता के विद्यालय खुला तो सख्त कार्यवाही की जाएगी।

कागजों पर हो रही है बाढ़ सुरक्षा और बांध मरम्मत, सरकारी धन का दुरुपयोग

बलरामपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के करमहना गांव और विकासखंड बलरामपुर क्षेत्र में राप्ती नदी के किनारे बने सरकारी तटबंधों और बांधों की मरम्मत कागजों तक ही सीमित है। बाढ़ खंड और मनरेगा विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से मरम्मत कार्यों का भुगतान तो कर दिया गया है, लेकिन मौके पर कार्य नहीं हुआ।

करीब डेढ़ महीने पहले अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षण में कई जगहों पर बांध खंडित पाए गए थे। तटबंध के किनारे बने नालों में भारी कटान होने से गहरी खाइयां बन गई हैं, जिससे बाढ़ के दौरान आसपास के गांवों को खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के मौसम में इन खाइयों से पानी का तेज बहाव खेतों में घुस सकता है, जिससे फसलों और घरों को भारी नुकसान हो सकता है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि बाढ़ खंड के ठेकेदार को मरम्मत का कार्य सौंपा गया था, लेकिन अभी तक कोई काम जमीन पर नहीं दिख रहा। केवल कागजों पर कार्य पूरा दिखाकर भुगतान कर दिया गया है। इससे विभागीय अनियमितताओं की पोल खुल रही है। रास्ते बंद होने से राहगीरों और ग्रामीणों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मिट्टी कट कर खेतों में भर रही है, जिससे कृषि योग्य भूमि भी बर्बाद हो रही है।

जनता की मांग:

ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच करवाई जाए और दोषी अधिकारियों व ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। यदि समय रहते समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में यह समस्या बड़ी त्रासदी में बदल सकती है।

अंगदान कर मिसाल बने रेलवे कर्मचारी रवि वर्मा

पटना(उत्तरशक्ति)। पूर्व मध्य रेलवे, पटना मंडल के परिचालन विभाग में पदस्थापित रवि वर्मा ने एक सराहनीय एवं प्रेरणादायक निर्णय लेते हुए अंगदान कर समाज में मानवता और सेवा की नई मिसाल पेश की है। श्री वर्मा ने अंगदान का संकल्प लेकर यह दशार्या है कि एक व्यक्ति का निर्णय कई ज़िंदगियों को नया जीवन दे सकता है। उनके इस कदम से नेत्रहीन को दृष्टि, किसी रोगी को नई साँसें और जरूरतमंद को जीवनदान मिलने की संभावना बनती है। ऐसे समय में जब अंगदान को लेकर समाज में कई प्रकार की भ्रांतियाँ फैली हुई हैं, रवि वर्मा का यह साहसिक और संवेदनशील निर्णय समाज को नई सोच और दिशा देता है। रवि वर्मा का कहना है कि ्रमैं हमेशा से मानता रहा हूँ कि अगर मेरी वजह से किसी को जीवन मिल सकता है, तो इससे बड़ा कोई धर्म नहीं हो सकता। अंगदान मेरे लिए एक सेवा है जीवन के बाद भी किसी और के जीवन में उजाला लाने की सेवा।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में छात्रों को किया गया प्रोत्साहित

महाराजगंज। गोरिया कोठी प्रखंड के मझवलिया बाजार पर जयहिंद शिक्षण संस्थान में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आय9जन किया । प्रतियोगिता में उत्कृष्ट परिणाम लाने वाले छात्रों को जयहिंद शिक्षण संस्थान ,मझवलिया द्वारा सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगीत के साथ शुरू किया गया। इस मौके पर अतिथि के रूप में प्रो जगदीश तिवारी (प्राध्यापक,गोरख सिंह कॉलेज, महाराजगंज),हरीश राज(संयुक्त शाखा प्रबंधक,बैंक ऑफ बड़ौदा)और अजय कुमार(नगर मंत्री,गोरेयाकोठी) उपस्थित रहें। प्राध्यापक जगदीश तिवारी ने कहा कि छात्रों से ही राष्ट्र का निर्माण होता है और छात्रों को पूरी निष्ठा से अपने शैक्षणिक कार्यों को करना चाहिए। हरीश जी ने कहा कि आज के छात्र ही देश का भविष्य हैं । शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ धन अर्जन करना नहीं बल्कि व्यक्तित्व को निखारना होता है ।वहीं अजय कुमार ने कहा कि सभी छात्रों को व्यवहारिक शिक्षा पर भी ध्यान देना चाहिए । संगत का असर छात्रों के व्यक्तिगत जीवन पर भी पड़ता है। हिमांशु कुमार ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्रों को प्रोत्साहित कर उनमें निखार लाया जा सकता है। प्रोत्साहित होने वाले छात्रों में तब्सूम खातुन, रागनी कुमारी,अंजलि कुमारी,आदर्श कुमार,आशीष कुमार,आयुष कुमार,अनमोल कुमार और सौरभ कुमार थे।

पटना एजुकेशन समिट में पीयुसीए ने बिहार के छात्रों के लिए 50 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति की घोषणा की

पटना। बिहार में छात्रों के लिए शैक्षिक अवसरों को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पंजाब अनएडेड कॉलेज एसोसिएशन ने होटल गार्गी ग्रैंड, पटना में आयोजित बिहार एजुकेशन समिट के दौरान 50 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति कार्यक्रम की घोषणा की। यह कार्यक्रम एजुकेशनल काउंसलर्स वेलफेयर एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित किया गया था और इसमें बिहार के 300 से अधिक प्रमुख शिक्षा सलाहकारों और पंजाब के 20 शीर्ष कॉलेजों ने भाग लिया।

पीयुसीए के अध्यक्ष और आर्यन्स ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, राजपुरा के चेयरमैन डॉ. अंशु कटारिया ने कहा कि इस समिट का उद्देश्य पंजाब और बिहार के बीच शैक्षिक संबंधों को मजबूत करना और साथ ही योग्य छात्रों को उनके गृह राज्य से परे नए शैक्षणिक अवसर प्रदान करना है। प्रत्येक प्रतिभागी कॉलेज ने बिहार के योग्य छात्रों को 2.5 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति की पेशकश की। ईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने पुक्का के प्रति आभार व्यक्त किया और बिहार के छात्रों को बेहतर शैक्षणिक अनुभव और अवसर प्रदान करने में इस तरह के सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस पहल की सराहना की और भविष्य में इस तरह के और आयोजनों को प्रोत्साहित किया। पुक्का के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और अमृतसर ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के अध्यक्ष एडवोकेट अमित शर्मा ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति पुक्का की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि यह छात्रवृत्ति कार्यक्रम छात्रों और शिक्षकों, दोनों के समर्थन के प्रति पुक्का के समर्पण को दशार्ता है। बिहार के इस शिक्षा शिखर सम्मेलन में पंजाब के प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ. अंशु कटारिया, अमित शर्मा, रमिंदर मित्तल, तरसेम सैनी, इंजीनियर जसवंत एस. खैरा, रमन भल्ला, मनजीत सिंह, डॉ. मोहित महाजन, डॉ. आकाशदीप सिंह, गुरकीरत सिंह, अंकित जैन, डॉ. कपिल कत्याल, डॉ. जी.एस. नागपाल, अशोक गर्ग, डॉ. गुरसिमरनजीत सिंह, डॉ. स्वर्ण प्रकाश गर्ग, इंजीनियर एस.के. पुंज, डॉ. राजेश भारद्वाज, डॉ. गोपाल मुंजाल, डॉ. गुरप्रीत सिंह, डॉ. डी.जे. सिंह ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि आर्यन्स ग्रुप ऑफ कॉलेज, राजपुरा; अमृतसर ग्रुप ऑफ कॉलेज, अमृतसर; अशोका ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, पटियाला; एशियन ग्रुप ऑफ कॉलेज, पटियाला; अकाल कॉलेज, मस्तुआना; अमन भल्ला कॉलेज, पठानकोट; दोआबा ग्रुप ऑफ कॉलेज, खरड़; गोल्डन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, गुरदासपुर; ग्लोबल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, अमृतसर; गुलजार ग्रुप ऑफ कॉलेज, खाना; जैन ग्रुप ऑफ कॉलेज, अबहोर; लोंगोवाल ग्रुप ऑफ कॉलेज, मोहाली; पंजाब कॉलेज ऑफ फामेर्सी, बठिंडा; एसवीआईईटी ग्रुप, बनूर; सुखजिंदर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, गुरदासपुर; सरस्वती ग्रुप ऑफ कॉलेज, मौड़ मंडी; श्री साई ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, पठानकोट; एसबीएस ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस, पट्टी; स्विफ्ट ग्रुप ऑफ कॉलेज, राजपुरा; यूनिवर्सल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, लालड़ू, विद्या ज्योति एडुवर्सिटी, डेराबस्सी पंजाब से प्रतिभागी थे।

पोखरा महावीरी झंडामेला शांतिपूर्ण संपन्न

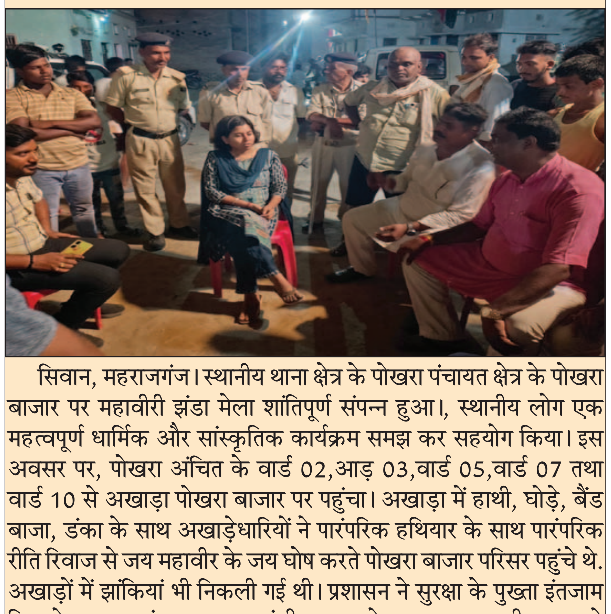

सिवान, महराजगंज। स्थानीय थाना क्षेत्र के पोखरा पंचायत क्षेत्र के पोखरा बाजार पर महावीरी झंडा मेला शांतिपूर्ण संपन्न हुआ।, स्थानीय लोग एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम समझ कर सहयोग किया। इस अवसर पर, पोखरा अंचित के वार्ड 02,आड़ 03,वार्ड 05,वार्ड 07 तथा वार्ड 10 से अखाड़ा पोखरा बाजार पर पहुंचा। अखाड़ा में हाथी, घोड़े, बैंड बाजा, डंका के साथ अखाड़ेधारियों ने पारंपरिक हथियार के साथ पारंपरिक रीति रिवाज से जय महावीर के जय घोष करते पोखरा बाजार परिसर पहुंचे थे. अखाड़ों में झांकियां भी निकली गई थी। प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। महाराजगंज थानाध्यक्ष संजीत कुमार ने व्यवस्था पर कड़ी नजर रखे हुए थे। पंचायत के मुखिया रत्नेश्वर यादव, पूर्व मुखिया रमेश यादव, सरपंच राजकुमार सिंह, भाजपा नेता दिलीप कुमार सिंह, अशोक कुमार सिंह आदि एक समिति बना कर प्रशासन को शांतिपूर्ण मेला संपन्न कराने में प्रशासन को सहयोग किया।जिससे मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन पर कांदिवली में लगाया गया रक्तदान शिविर

कांदिवली, मुंबई। महाराष्ट्र के यशस्वी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी चारकोप विधानसभा के वॉर्ड क्रमांक 31 की ओर से रक्तदान शिविर का बृहद पैमाने पर आयोजन किया गया। इस शिविर में उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने विशेष रूप से उपस्थिती दर्ज कराई और रिबन काटकर इसका उद्घाटन किया। उन्होंने शिविर के आयोजक पूर्व नगरसेवक कमलेश यादव तथा उनकी सम्पूर्ण टीम के इस सेवा भावी कार्य की मुक्त कंठ से प्रशंसा भी की। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने इस शिविर में रक्तदान करनेवाले रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट देकर उन्हें सम्मानित किया तथा सभी नागरिकों से आह्वान भी किया कि समय-समय पर रक्तदान जैसा महादान अवश्य करते रहें ताकि किसी जरूरतमंद का जीवन बचाया जा सके। इस अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ पूर्व नगरसेवक कमलेश यादव, जिलाध्यक्ष दीपक उर्फ बाला तावड़े , दिनेश सिंह तथा अशोक दुबे सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

क्रांति महानायक पर परिचर्चा एवं सम्मान समारोह संपन्न

मुंबईः अखिल ब्रह्म विज्ञान संस्थान मुंबई के तत्त्वावधान में डॉ. श्रीभगवान तिवारी द्वारा रचित क्रांति महानायक परशुराम जी पर परिचर्चा तथा उससे पहले सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। समारोह की अध्यक्षता डॉ अशोक सिंह चौहान ने की। अतिथियों के माल्यार्पण के पश्चात डॉ. रोशनी किरण ने सरस्वती वंदना एवं परशुराम के दोहे प्रस्तुत किया। संस्था के अध्यक्ष आचार्य रामव्यास उपाध्याय ने परशुराम स्तोत्र का सस्वर पाठ किया तथा अतिथियों का परिचय दिया। डॉ. श्रीभगवान तिवारी ने अपने क्रांतिकारी उद्बोधन में सनातन की रक्षा एवं परशुराम की त्यागशीलता को अपनाने की प्रेरणा दी। स्वागताध्यक्ष आयुर्वेद महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश दुबे ने भगवान परशुराम के मंदिर के लिए अपने संकल्प को दोहराया। पीएम आत्मनिर्भर भारत अभियान संगठन के कार्याध्यक्ष मुख्य अतिथि श्री राम कुमार पाल जी ने मंदिर के लिए एक एकड़ जगह प्रदान करने के साथ-साथ तन- मन- धन से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। श्रेया लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधक श्री अनिल कुमार मिश्र जी ने हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। भवन निमार्ता आशीष मिश्र ने समारोह का पूरा खर्च वहन किया। विशिष्ट अतिथि फिल्म डायरेक्टर श्री दिनेश श्रीवास्तव ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संस्कृत विद्वानों को संगठित करने तथा सनातन को बचाने की आवश्यकता बताई।

आईपीसी एवं महा पंडित फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. परमिंदर पाण्डेय, पूर्व प्रधानाचार्य श्री शेषनाथ तिवारी, पीएचडी डिग्री हासिल करने वाली डॉ. शशिकला पटेल तथा कवयित्री प्रो. सिंधु वासिनी तिवारी को शाल पुष्प गुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया गया।

परिचर्चा में डॉ. अमर बहादुर पटेल ने कुरुक्षेत्र में परशुराम, डॉ. परमिंदर पाण्डेय ने च्यवन की शिक्षा, डॉ. शशिकला पटेल ने ऋचीक ऋषि, डॉ. अवनीश सिंह ने महर्षि उर्व, श्री राम सिंह ने वनवासियों को धनुर्विद्या, अजय शुक्ल ने समुद्र का औदार्य, रीना राय ने श्री राम की शिक्षा पर प्रकाश डाला। समारोह की सफलता में प्रभाशंकर शुक्ल, आर.के.सर, हरिसिंह, श्वेता दुबे, अनिल तिवारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आचार्य रामव्यास उपाध्याय ने संचालन तथा जनार्दन मिश्रा ने आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान एवं जलपान के पश्चात समारोह का समापन हुआ।

अशोक लेलैंड और छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के बीच साझेदारी

रायपुर। हिंदुजा ग्रुप की प्रमुख भारतीय कंपनी और देश की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निमार्ता अशोक लेलैंड ने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी मीडियम और हैवी कमर्शियल व्हीकल ग्राहकों को बेहतर वाहन वित्तीय समाधान प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। इस समझौते के तहत दोनों संस्थाएं ग्राहकों को उनकी जरूरतों के अनुसार विशेष रूप से तैयार किए गए वित्तीय समाधान उपलब्ध कराएंगी। डी. एस. मधुसूदन, हैड सेल्स - फाइनेंस, अशोक लेलैंड और विजय वसंत रायकवाड़, महाप्रबंधक क्रेडिट, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के बीच इस समझौते का आदान-प्रदान किया गया।

कैरेंस क्लैविस ईवी की बुकिंग शुरू

मुंबई। किआ इंडिया, एक प्रमुख मास प्रीमियम कार निमार्ता, ने आज अपनी पहली मेड-इन-इंडिया 7-सीटर इलेक्ट्रिक गाड़ी, किआ कैरेंस क्लैविस ईवी के लिए बुकिंग्स शुरू करने की घोषणा की। ग्राहक गाड़ी की बुकिंग 22 जुलाई 2025 से करा सकते हैं। ग्राहक किआ इंडिया की वेबसाइट और देश भर के किआ डीलरशिप पर केवल 25,000 रुपये की मामूली राशि देकर कैरेंस क्लैविस ईवी बुक कर सकते हैं। यह गाड़ी इलेक्ट्रिक वाहन चलाने वाले ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई है, जिसमें किफायती कीमतों में शानदार स्टाइल, परफॉर्मेंस, स्पेस और स्मार्ट फीचर्स मिलते हैं। किआ इंडिया के चीफ सेल्स ऑफीसर जून्सू चो ने कहा, कैरेंस क्लैविस ईवी किआ इंडिया के लिए एक बड़ा कदम है, जिसे इलेक्ट्रिक गाड़ियों को सभी के लिए आसान और सुलभ बनाने की दिशा में उठाया गया है। भारत से प्रेरित हमारी पहली 7-सीटर ईवी होने के नाते, यह स्मार्ट, पर्यावरण के अनुकूल और किफायती समाधान प्रदान करती है। हमारा मजबूत ईवी सिस्टम, जिसमें माय किआ ऐप का के-चार्ज फीचर और 250+ ईवी-रेडी वर्कशॉप्स (100+ डीसी फास्ट चार्जर के साथ) शामिल हैं, ग्राहकों को पूरी संतुष्टि देता है। हम बुकिंग शुरू करने और ग्राहकों को कैरेंस क्लैविस ईवी घर लाने के लिए आमंत्रित करने के लिए उत्साहित हैं। कैरेंस क्लाविस ईवी किआ की वैश्विक डिजाइन फिलॉसफी - ऑपोजिट्स यूनाइटेड को दर्शाती है। इस इलेक्ट्रिक गाड़ी में नवाचार का संयोजन सुलभता से किया गया है और यह इलेक्ट्रिक गाड़ी इंटेलीजेंट टेक्नोलॉजी, आधुनिक डिजाइन और उत्कृष्ट मूल्य के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को फिर से परिभाषित करती है। अपने आकर्षक बाहरी डिजाइन और प्रीमियम, विशाल केबिन के साथ, यह इलेक्ट्रिक आरवी भारत के ईवी सेगमेंट में नए मानक स्थापित करने के लिए तैयार है।

काई इंडिया के नेल क्लिपर के साथ मानसून में ग्रूमिंग बनाए आसान और सेफ

मुंबई। मानसून भले ही गर्मी से राहत देता है, लेकिन इसी मौसम में बढ़ी हुई नमी के कारण बैक्टीरियल और फंगल इन्फेक्शन का खतरा सबसे ज्यादा होता है झ खासकर हाथ-पैर के नेल्स में। इस मौसम में सही नेल केयर जरूरी हो जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए, काई इंडिया का 100% स्टेनलैस स्टील नेल क्लिपर इस समय के लिए एक आदर्श ग्रूमिंग टूल के रूप में उपलब्ध है, जो मानसून में भी आपकी ग्रूमिंग को बनाए हाइजीनिक और आसान।

जापानी कारीगरी और आधुनिक तकनीक से बना काई सुमीकिरी (नेल क्लिपर) स्लिक और एर्गोनॉमिक डिजाइन के साथ आता है। इसका मजबूत लीवर हर बार स्मूद ट्रिमिंग का अनुभव देता है। हाई-क्वालिटी स्टेनलैस स्टील से

बना यह क्लिपर मानसून की नमी में भी अपनी धार बनाए रखता है, जिससे आपको बार-बार शार्पनेस की चिंता नहीं करनी पड़ती। अन्य क्लिपर्स की तरह इसमें जोर लगाने की जरूरत नहीं है। इसकी स्मार्ट डिजाइन इसे बेहद कंफर्टेबल बनाती है। साथ ही, इसमें इनबिल्ट नेल फाइलर और ग्रिप रिमूवर भी है, जिससे आप नेल्स को क्लीन कर सकते हैं और उन्हें अपनी पसंद की शेप भी दे सकते हैं झ खासकर जब नेल्स बारिश या गीले फुटवियर की वजह से गंदे हो जाते हैं।

काई इंडिया में हमारा लक्ष्य हमेशा ऐसे टूल्स बनाना रहा है जो डेली सेल्फ केयर को बेहतर बनाएं। मानसून जैसे मौसम में, जब नमी और गंदगी से हाथ-पैर की सफाई को लोग नजरअंदाज कर देते हैं, तब एक सिंपल लेकिन असरदार टूल आपकी केयर रूटीन को पूरी तरह बदल सकता है। हमारा नेल क्लिपर न सिर्फ हाइजीन, बल्कि सुविधा भी देता है। यह जापानी डिजाइन के मूल सिद्धांत प्रिसिजन, ड्यूरेबिलिटी और सिंप्लिसिटी का बेहतरीन उदाहरण है, हितेश सिंगला, हेड ऑफ मार्केटिंग, काई इंडिया ने कहा। काई इंडिया का नेल क्लिपर 7 शानदार रंगों में आता है और केवल 199 में www.kai-indiaonline.com सहित सभी प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है।

नरेंद्र मेहता के नेतृत्व में जीत का नया इतिहास बनाएगी बीजेपीः राजकुमार मिश्रा

भायंदर। मीरा भायंदर शहर के विकास में भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आज शहर में चमचमाती आलीशान सड़कें, खूबसूरत गार्डन, महाराणा प्रताप की दिव्य मूर्ति, अलग-अलग समुदाय के लिए बने भवन, तमाम जन सेवा केंद्र और सबसे बड़ी बात शहर में मेट्रो रेल का आना, इन सबके पीछे विधायक मेहता की कड़ी मेहनत और दूरदर्शिता पूर्ण सोच है। भारतीय जनता पार्टी के युवा उत्तर भारतीय नेता राजकुमार मिश्रा ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि विधायक नरेंद्र मेहता सबके विकास के लिए काम कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में मीरा भाईंदर महानगरपालिका चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ऐतिहासिक जीत हासिल करेगी। शहर की जनता को उन पर पूरा विश्वास और भरोसा है। यही कारण है कि जनता उन्हें मेट्रो मैन और विकास पुरुष मानती है।

दिव्येश बिंद ने पावर लिफ्टिंग में महाराष्ट्र राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया

मुंबई (उत्तर शक्ति)। गत रविवार को महाराष्ट्र पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन मुंबई द्वारा आयोजित कन्नमवार नगर विक्रोली ईस्ट मुंबई में हो रहे राज्य स्तरीय जूनियर महिला पुरुष प्रतियोगिता में अपने प्रतिभा दिखाते हुए स्क्वाड 35 किलो, बेंच प्रेस 20 किलो, डिड लिस्ट 40 किलो, पूरे 95 किलो में अपने कला कौशल दिखाते हुए दिव्येश बिंद ने गोल्ड मेडल पर कब्जा कर लिया महाराष्ट्र पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन मुंबई के पूरी टीम ने सम्मान प्रमाण पत्र और गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया दिव्येश हरीश कुमार बिंद बहुचर्चित सनद लेखाकार के आर कंपनी के मालिक मशहूर संगठन बिंद समाज विकास संघ के राष्ट्रीय सलाहकार किशोरी लाल बिंद के नाती हैं सामाजिक गुणों और व्यावहारिक गुणों शैक्षणिक गुणों के साथ-साथ खेल प्रतियोगिता में भी भागीदारी की शिक्षा देने पर जोर देते रहते हैं दिव्येश हरीश कुमार बिंद के गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर ग्राम वासियों और संघ के पदाधिकारी ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

विनोद कजानिया बहुजन विकास संघ के राष्ट्रीय सचिव नियुक्त

ठाणे। बहुजन विकास संघ द्वारा शासकीय विश्रामगृह ठाणे मे कार्यकर्ता की मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें पद नियुक्ती पत्र दिये गये। बहुजन विकास संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण चौहान, नरेश भगवाने, नरेश बोहीत और मनोज बापाने ने मुंबई अध्यक्ष विनोद कजानिया को बहुजन विकास संघ का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया और नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

युवा कृति को तत्काल उपयुक्त स्टेम सेल दाता की आवश्यकता है

रांची। झारखंड के हजारीबाग की 27 वर्षीय कृति को हमारी मदद की तत्काल आवश्यकता है। 13 साल की उम्र में ही कृति को क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया, एक प्रकार का रक्त कैंसर, होने का पता चला। दवाओं जैसे अन्य उपचारों के सहारे सामान्य जीवन जीने के लिए संघर्ष करने के बाद, अब वह एक ऐसे नाजुक दौर में है जहाँ स्टेम सेल प्रत्यारोपण ही उसके बचने का एकमात्र रास्ता है। यह तभी संभव होगा जब उसे कोई उपयुक्त रक्त स्टेम सेल दाता मिल जाए। राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली के हेमेटो-ऑन्कोलॉजी एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन विभाग के निदेशक डॉ. दिनेश भूरानी के अनुसार, ₹भारत में हर 5 मिनट में किसी न किसी व्यक्ति में रक्त कैंसर या अन्य रक्त विकार का निदान होता है। कई रोगी जीवन रक्षक स्टेम सेल दान के बिना जीवित नहीं रह सकते हैं, और दाता की खोज समय के खिलाफ दौड़ की शुरूआत है। जितनी जल्दी एक उपयुक्त दाता मिल जाता है, रोगियों के बचने की संभावना उतनी ही बेहतर होती है, जैसा कि कृति के मामले में हुआ। भारतीय मूल के रोगियों और दाताओं में unique HLA एचएलए (ह्यूमन ल्यूकोसाइट एंटीजन) विशेषताएं होती हैं, जो उपयुक्त दाता को खोजने की संभावना को और भी मुश्किल बना देती है क्योंकि वैश्विक डेटाबेस में भारतीयों का प्रतिनिधित्व बहुत कम है। कृति की मदद के लिए, रक्त कैंसर और रक्त संबंधी विकारों से लड़ने के लिए समर्पित एक गैर-लाभकारी संगठन, डीकेएमएस फाउंडेशन इंडिया, आम जनता से आगे आने और रक्त स्टेम सेल दाता बनने के लिए पंजीकरण करने की अपील करता है।

हम जीवन बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कृति जैसे मरीजों को तत्काल एक असंबंधित मिलान वाले दाता की आवश्यकता होती है। यह समझना जरूरी है कि बहुत कम मरीजों को ही अपने परिवारों में मिलान वाला दाता मिल पाता है। दुर्भाग्य से, कृति की स्थिति में, हमें एक असंबंधित दाता खोजने पर निर्भर रहना पड़ता है।भारत की आनुवंशिक विविधता के कारण, उपयुक्त मिलान ढूँढना विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है। भारत में संबंधित आयु वर्ग के केवल 0.09% लोग ही रक्त स्टेम सेल दाता के रूप में पंजीकृत हैं। इसलिए, इस अपील के माध्यम से, हम 18 से 50 वर्ष की आयु के सभी लोगों तक पहुँचना चाहते हैं ताकि वे आगे आएँ और संभावित दाता बनने के लिए पंजीकरण कराएँ, डीकेएमएस इंडिया के अध्यक्ष पैट्रिक पॉल ने कहा।

ग्लोबल सिटी विरार में पानी की समस्या लेकर राजन नाईक का दौरा

विरार। ग्लोबल सिटी, रुस्तमजी और एचडीआईएल नगर निगम को क्षेत्र को टैंकर-मुक्त बनाने के लिए फेडरेशन से पानी की व्यवस्था करनी चाहिए, ए. राजन नाइक ने विरार पश्चिम स्थित ग्लोबल सिटी रुस्तमजी, एचडीआईएल क्षेत्र की हाउसिंग सोसाइटी के निवासी पिछले कई वर्षों से पानी से वंचित थे, लेकिन नालासोपारा विधायक राजन नाइक के प्रयासों से पिछले आठ महीनों में लगभग सभी इमारतों में नए नल कनेक्शन लग गए हैं। लेकिन पिछले दो महीनों से कम दबाव से पानी की आपूर्ति होने के कारण, वहाँ के निवासियों को पीने के पानी के लिए टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इसलिए, जब कई इमारतों के निवासियों ने विधायक राजन नाइक से शिकायत की, तो उन्होंने तुरंत इस पर ध्यान दिया और आज, मंगलवार, 22 जुलाई को उस स्थान का दौरा किया। इस दौरान, यह देखा गया कि उक्त क्षेत्र में पानी की आपूर्ति के लिए फेडरेशन के माध्यम से निजी वॉलमैन नियुक्त किए गए हैं। चूँकि इन सभी वॉलमैनों द्वारा केवल 50 प्रतिशत दीवारें ही खोदी जा रही हैं, इसलिए पानी की प्रचुरता होने के बावजूद कम दबाव से पानी की आपूर्ति हो रही है। चूँकि यह एक गंभीर मामला है, ए. राजन नाइक ने तुरंत नगर निगम के संबंधित अधिकारी से संपर्क किया और फेडरेशन से ये अधिकार वापस ले लिए और नगर निगम को वॉलमैन नियुक्त करने और पानी की आपूर्ति करने के निर्देश दिए ताकि यह क्षेत्र टैंकर-मुक्त हो जाए और ग्लोबल सिटी, रुस्तमजी और एचडीआईएल क्षेत्रों की इमारतों में पर्याप्त पानी की आपूर्ति हो सके।

अलम नौंचदी कमेटी ने डीएम को सौंपा ज्ञापन, अव्यवस्था से कराया अवगत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर के बाजार भुआ पुरानी बाजार स्थित इमामबारगाह दालान पर होने वाला ऐतिहासिक अलम नौचंदी जुलूस ए अमारी इस वर्ष 31 जुलाई को पड़ रहा है। अलम नौचंदी जुलूस ए अमारी कमेटी के अध्यक्ष हाजी सैयद अलमदार हुसैन रिजवी करबलाई के नेतृत्व में कमेटी के लोगों और कई अधिवक्ताओं ने डीएम और सिटी मजिस्ट्रेट से मिलकर तमाम अव्यवस्थाओं से अवगत कराया और मांग की कि, इसे जुलूस से पहले दुरुस्त किया जाए। दोनों अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि सभी कार्य जुलूस से पहले कर दिए जाएंगे। ज्ञापन देते वक्त इसरार एडवोकेट, रजा मेहदी एडवोकेट, नेयाज ताहिर एडवोकेट, सकलैन एडवोकेट आदि लोग मौजूद रहे।पूर्वान्चल का सबसे प्रसिद्ध ऐतिहसिक अलम नौचन्दी व जुलूसे अमारी विगत 85 वर्षों से पुरानी बाजार के इमामबाड़ा दालान से उठकर बेगमगंज के सदर इमामबाड़ा जाकर समाप्त होता है। इस वर्ष दिनांक 31 जुलाई 2025 को सम्पन्न होगा। इस जुलूस में प्रदेश के कोने-कोने से विभिन्न अति एवं धर्म के श्रद्धालु भाग लेते हैं और अपार जनसमूह एकत्रित होता है। यह जुलूस साम्प्रदायिक एकता के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। इस जुलूस की मजलिस विश्व ख्याति प्राप्त शिया धर्म गुरु मौलाना मुराद रजा साहब पटना सम्बोधित करेंगे। बिजली सप्लाई दोपहर 12 बजे से रात 12 बजे तक निर्बाध रूप से सुनिश्चत कराई जाए। इस जुलूस हेतु एम्बुलेंस की व्यवस्था करायी जाए। जुलूस के मार्गो की सड़क गरम्मत, स्ट्रीट लाइट की मरम्मत, पानी सप्लाई की व्यावस्था सुनिश्वित्त कराई जाए। छतरी घाट एवं सदर इमामबड़े के बीच बहुत अंधेरा रहता है। उस मार्ग पर भी स्ट्रीट लाइट लगावाई जाए। इमामबाड़ा दालान के पास नाली टूटी हुई। इससे रोड पर गंदे पानी का बहाव हो रहा है. जुलूस से पहले उसकी मरम्मत कराई जाए। पुलिस पीएसी एव महिला पुलिस की व्यवस्था कराई जाए। इमामबाड़ा दालान से लेकर सदर इमामबाड़ा तक रोड पर कई जगह गड्ढे हैं, उनको पटवाया जाए और रोड की मरम्मत कराई जाए। नगर पालिका निर्मित टूटी नालियां जो जुलूस के मार्ग पर पड़ती हैं उसे सही कराया जाए।

एचडीएफसी बैंक का पहली तिमाही में 18155 .21 करोड़ मुनाफा

पटना। देश के सबसे बड़े सबसे बड़े निजी ऋणदाता बैंक, एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को वित्त वर्ष 26 की अपनी पहली तिमाही के नतीजे घोषित किए।

10 मिनट की बिजली ट्रिपिंग बना कारण, कर्मचारियों पर कार्रवाई से उपजा बवाल

-सुरेश गांधी

वाराणसी. पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक और वाराणसी के मुख्य अभियंता द्वारा 10 मिनट की बिजली ट्रिपिंग को लेकर की गई कार्रवाई के विरोध में सोमवार को बिजली कर्मियों ने प्रबंध निदेशक कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले आयोजित हुआ। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि 10 मिनट की ट्रिपिंग पर कर्मचारियों पर की गई दमनात्मक कार्रवाई पूरी तरह निंदनीय और अलोकतांत्रिक है। ऊर्जा मंत्री के खिलाफ हुए लखनऊ प्रदर्शन की ही तरह अब पूर्वांचल के बिजली कर्मी भी प्रबंध निदेशक के उत्पीड़न के खिलाफ बड़े आंदोलन की तैयारी में हैं। संघर्ष समिति के नेताओं ने कहा कि वेतन रोकने, अनुचित स्थानांतरण, ट्रांसफार्मर जलने पर एफआईआर, और मात्र 5-10 मिनट की बिजली ट्रिपिंग को लेकर विभागीय दंड जैसी कार्रवाइयों से प्रदेशभर के विद्युत कर्मियों में भारी रोष व्याप्त है। यह विरोध सिर्फ वाराणसी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे पूरे प्रदेश में चरणबद्ध आंदोलन का रूप दिया जाएगा। सभा की अध्यक्षता ई. राजेन्द्र सिंह ने की, संचालन सौरभ श्रीवास्तव ने किया। सभा को ई. मायाशंकर तिवारी, ई. एस.के. सिंह, ई. नीरज बिंद, रविन्द्र यादव, अंकुर पाण्डेय, राजेश सिंह, हेमंत श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार, पंकज जैसवाल, सहित कई वरिष्ठों ने संबोधित किया।

डिमांडः वक्ताओं ने सरकार से यह भी मांग की किया कि दिसंबर 2022 एवं मार्च 2023 में हुए समझौतों का तत्काल पालन हो। उत्पीड़नात्मक कार्रवाई वापस ली जाए। संविदा कर्मियों की बहाली की जाए। स्थानांतरण रद्द किए जाएं। वेतन रोके जाने जैसी कार्यवाही बंद हो। बिजली कर्मियों के खिलाफ विजिलेंस जांच और दर्ज एफआईआर वापस ली जाएं। स्मार्ट मीटर के जरिए रियायती बिजली सुविधा समाप्त करने की योजना रोकी जाए। पूर्वांचल और दक्षिणांचल के निजीकरण का फैसला रद्द किया जाए।

शूलिनी विश्वविद्यालय और कॉमन सर्विस सेंटर्स ने 2050 तक 100% सकल नामांकन अनुपात प्राप्त करने की रूपरेखा प्रस्तुत की

हरियाणा। डिजिटल शिक्षा और उद्यमिता के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने पर हाल ही में आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए उच्च शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने की रूपरेखा पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का मुख्य फोकस ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं और युवाओं की भागीदारी को बढ़ाना था, ताकि 2050 तक भारत में 100% सकल नामांकन अनुपात प्राप्त किया जा सके। इस आयोजन की प्रमुख झलक रही – तीन महिला ग्राम स्तरीय उद्यमियों को अंतिम छोर तक डिजिटल सशक्तिकरण को सक्षम बनाने में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। रेवाड़ी (हरियाणा) की सुश्री सोनू बाला, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) की सुश्री अंचल अगीचा, और दक्षिण-पश्चिम जिला (दिल्ली) की सुश्री सरिता सिंघानी को, CSCs के माध्यम से महिला उद्यमियों के रूप में उनके योगदान के लिए सराहा गया। उन्होंने डिजिटल सेवाओं तक पहुँच, ऑनलाइन शिक्षा और स्थानीय स्तर पर जागरूकता को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो समुदाय-आधारित परिवर्तन में महिलाओं की केंद्रीय भूमिका को दशार्ता है। सीएससी अकादमी के चेयरमैन संजय कुमार राकेश, शूलिनी विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं अध्यक्ष आशीष खोसला, और यूनिसेफ इंडिया के पासपोर्ट टू अर्निंग कार्यक्रम के प्रोग्राम स्पेशलिस्ट पल्लव तिवारी ने डिजिटल अवसंरचना, कौशल-आधारित शिक्षा और जमीनी साझेदारियों के माध्यम से नामांकन में अंतर को कम करने पर केंद्रित चर्चा का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि कैसे महिलाओं की भागीदारी और लचीले ऑनलाइन कार्यक्रम, शिक्षा व रोजगार के लिए समावेशी रास्ते बना सकते हैं। पल्लव तिवारी, प्रोग्राम स्पेशलिस्ट, यूनिसेफ इंडिया ने कहा, आज की फिल्मों में महिलाएं नेताओं और पेशेवरों के रूप में प्रस्तुत की जाती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत अधिक जटिल है। कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी अब भी 25% से कम है–विशेषकर ग्रामीण भारत में, महिलाएं अब भी अनौपचारिक और कम वेतन वाली नौकरियों तक सीमित हैं।

एक्सिस मैक्स लाइफ ने करियर के लिए मार्गदर्शन एवं कौशल विकास पर युवाओं के सशक्तीकरण की पहल शुरू की

ठाणे। एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड, जिसे पहले मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, ने लर्निंग स्पेस फाउंडेशन (एलएसएफ) के साथ मिलकर एक्सिस मैक्स लाइफ उड़ान पहल शुरू की है। यह युवाओं को सशक्त करने की पहल है, जिसका लक्ष्य महाराष्ट्र के मुंबई, ठाणे और पालघर जिलों के 25 स्कूलों एवं कॉलेजों के छात्रों की रोजगारपरकता एवं करियर के लिए तैयारियों को बेहतर बनाना है। इस पहल की शुरूआत एक्सिस मैक्स लाइफ और एक्सिस बैंक के बीच सफल बैंकएश्योरेंस पार्टनरशिप के 15 साल पूरे होने के मौके पर की गई है। सामाजिक प्रभाव एवं समुदायों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की एक्सिस बैंक और एक्सिस मैक्स लाइफ की साझा प्रतिबद्धता को केंद्र में रखकर शुरू की गई एक्सिस मैक्स लाइफ झ उड़ान पहल को इस तरह से डिजाइन किया गया है, जिससे युवाओं के लिए संभावनाएं बढ़ाई जा सकें। इसके लिए उनकी क्षमता को

निखारा जाएगा और उन्हें जरूरी कौशल, मार्गदर्शन एवं अवसर प्रदान किए जाएंगे। इस मल्टी-ईयर प्रोग्राम के माध्यम से स्ट्रक्चर्ड काउंसिलिंग प्रदान की जाएगी, एप्टीट्यूड एसेसमेंट किया जाएगा और 200 से ज्यादा युवाओं को वैकल्पिक शिक्षा के बारे में जानकारी प्रदान करके सशक्त किया जाएगा। साथ ही इन स्कूलों एवं कॉलेजों के कम से कम 100 युवाओं को रोजगार पाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कौशल जैसे अंग्रेजी में बातचीत, कंप्यूटर साक्षरता एवं सॉफ्ट स्किल्स से भी लैस किया जाएगा।

पतुक पॉलीटेक्निक इंस्टीट्यूट ऑडिटोरियम, मुंबई में इस पहल की औपचारिक शुरूआत की गई। इस दौरान एक्सिस बैंक की एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट एवं हेड झ फीस नीता भट्ट के साथ-साथ एक्सिस मैक्स लाइफ के डायरेक्टर, जनरल काउंसल एवं कंपनी सेक्रेटरी और प्रमुख झ सस्टेनेबिलिटी अनुराग चौहान, एक्सिस बैंक पार्टनरशिप के प्रमुख एवं डायरेक्टर सचिन अरोड़ा, एलएसएफ के संस्थापक नितिन ओरायन और पतुक इंस्टीट्यूट, एलएसएफ के ट्रस्टी एवं छात्र प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रोग्राम की लॉन्चिंग के मौके पर एक्सिस मैक्स लाइफ के डायरेक्टर, जनरल काउंसल एवं प्रमुख झ सस्टेनेबिलिटी अनुराग चौहान ने कहा, ह्ययह पहल केवल लंबी एवं भरोसेमंद साझेदारी का उत्सव ही नहीं है, बल्कि यह भारत के युवाओं के लिए ज्यादा समावेशी भविष्य के निर्माण की प्रतिबद्धता भी है। करियर काउंसिलिंग से बच्चों को अपनी रुचि को समझने में मदद मिलती है। यह उनकी महत्वाकांक्षाओं के साथ-साथ वास्तविक संभावनाओं से भी जुड़ा होता है। इससे वे आत्मविश्वास के साथ आर्थिक आजादी की ओर कदम बढ़ाने में सक्षम होते हैं। एक्सिस मैक्स लाइफ उड़ान के माध्यम से हमें एक ऐसी पीढ़ी तैयार करने की उम्मीद है, जो आत्मसम्मान, उद्देश्य एवं अवसर के साथ आगे बढ़ेगी।